मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 9 अंक 134
शुक्रवार, 27 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

आरएसएस और बीजेपी 12 साल से कमजोर कर रहे संविधानः मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर संविधान विरोधी होने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले 12 वर्षों से वे इसे कमजोर करने का काम कर रहे हैं। खरगे ने लखनऊ में संविधान रक्षा सम्मेलन यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि देश दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई देख रहा है-एक जो संविधान के साथ खड़ी है जिसका प्रतिनिधित्व कांग्रेस करती है और दूसरी जिसने हमेशा इसका विरोध किया है जिसका प्रतिनिधित्व भाजपा और आरएसएस करता है। उन्होंने कहा, आरएसएस तब भी संविधान के खिलाफ था और आज भी इसके खिलाफ है। खरगे ने आरएसएस और भाजपा पर नफरत फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देने में विश्वास करती है।

उन्होंने कहा, जैसा कि राहुल गांधी ने कहा है, हम हमेशा मोहब्बत की दुकान चलाते हैं, जबकि आरएसएस और भाजपा नफरत की दुकान चलाते हैं। अगर आप इसी तरह नफरत फैलाते रहे, तो देश, यहां के युवाओं और गरीबों को बर्बाद कर देंगे। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

हम देश को बचाने के लिए लड़ेंगे। खरगे ने संसद में डॉ. बी.आर. आंबेडकर को लेकर दिए गए बयानों के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि शाह ने संविधान के निमार्ता का अपमान किया है। शाह ने आंबेडकर का बार-बार नाम लिए जाने को फैशन बताया था।

खरगे ने कहा, संसद में अमित शाह ने जो कहा, वह सबको याद है। उन्होंने कहा था कि आंबेडकर का नाम लेना एक फैशन बन गया है। यह कोई फैशन नहीं, बल्कि सच्चाई है।

हम आंबेडकर का नाम सौ बार



लेंगे। जब तक आप संविधान के साथ धोखा करते रहेंगे, हम उनका नाम लेते रहेंगे। खरगे ने भाजपा और आरएसएस पर कांग्रेस नेताओं की देशभक्ति पर सवाल उठाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, आप खुद को देशभक्त कहते हैं और हमें देशद्रोही बताते हैं। लेकिन अंग्रेजों को दया याचिकाएं किसने लिखीं और पेंशन की मांग किसने की? क्या हमारे किसी नेता ने ऐसा किया? जवाहरलाल नेहरू ने 13 साल जेल में बिताए। हमने डटे रहना सीखा है, झुकना नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से नाम हटाकर दलितों, महिलाओं, गरीबों और वंचित समुदायों के मतदान के अधिकार को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। खरगे ने कहा, आंबेडकर और जवाहरलाल नेहरू ने इन लोगों को मतदान का अधिकार दिया था।

अगर आप मतदाता सूची से नाम हटाकर हमारा वोट देने का अधिकार छीनने की कोशिश करेंगे, तो इस देश का हर युवा और हर नागरिक आपके खिलाफ लड़ेगा। विपक्षी दलों से एकजुट होने की अपील करते हुए खरगे ने कहा कि 143 साल के इतिहास वाली कांग्रेस कभी खत्म नहीं होगी। उन्होंने कहा, अगर हम मिलकर काम करेंगे, तो जरूर जीतेंगे। अगर हम आपस में ही लड़ते रहे, तो किसी को कुछ हासिल नहीं होगा।

कांग्रेस पार्टी खत्म होने वाली नहीं है। इसका 143 साल का इतिहास है। क्या अब यह खत्म हो जाएगी? खरगे ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के गठबंधन का जिक्र करते हुए कहा कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव भाजपा को हराने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीन (ईवीएम) के जरिये चुनिंदा नामों और मतदान केंद्रों को निशाना बनाकर चुनावों को प्रभावित कर रहा है। खरगे ने आरोप लगाया, ह्यह्ये कौन लोग हैं जो तय कर रहे हैं कि किन नामों और मतदान केंद्रों को हटाया जाना चाहिए?

बीजेपी शासित सभी राज्यों में लागू होगा यूसीसीः अमित शाह



नई दिल्ली, 26 नवम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को घोषणा की कि भाजपा शासित सभी राज्य समान नागरिक संहिता (UCC) लागू करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि कानून धर्म के आधार पर नहीं बनाए जाने चाहिए। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, शाह ने कहा कि संविधान निमार्ताओं ने UCC को 'राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों' में शामिल किया था और धर्म से परे, सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून की परिकल्पना की थी। अमित शाह ने कहा कि मैं आज उनको बताना चाहता हूं कि UCC जो है, हमारे संविधान निमार्ताओं ने हमारे मार्गदर्शक सिद्धांतों में UCC को लिया था। हर एक नागरिक को धर्म से अलग, एक ही कानून से जीने का अधिकार इस देश में मिलना चाहिए, चाहे वो हिंदू हो, सिख हो, मुस्लिम हो, ईसाई हो या पारसी हो। भारतीय जनता पार्टी का स्थापना के समय से आग्रह है कि देश समान नागरिक संहिता से यानी UCC से चलना चाहिए। कानून धर्म के आधार पर नहीं बनना चाहिए, जिसको आपकी पार्टी राहुल गांधी जी, सिरे से नकारती है। मगर आज मैं स्पष्टता से कहने आया हूं कि आने वाले दिनों में हम जहां-जहां भाजपा शासित सरकारें हैं, हर राज्य में UCC को लागू करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने स्थापना काल से ही समान नागरिक संहिता की पक्षधर रही है। कानून का आधार धर्म नहीं, बल्कि समानता और न्याय होना चाहिए। हमारा संकल्प स्पष्ट है, भाजपा शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में हम निरंतर आगे बढ़ेंगे। एक देश, एक समान नागरिक कानून, यही समानता, न्याय और संवैधानिक मूल्यों की भावना है। गोवा, उत्तराखंड, गुजरात, असम और मध्य प्रदेश ने अब तक UCC लागू कर दिया है। गृह मंत्री ने राजनीतिक सत्ता के हस्तांतरण और उसके प्रयोग को नियंत्रित करने वाले संवैधानिक ढांचे के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि संविधान नागरिकों को यह तय करने का अधिकार देता है कि उन पर कौन शासन करेगा, और साथ ही यह भी अनिवार्य बनाता है कि चुनी हुई सरकारें संवैधानिक सीमाओं के भीतर रहकर ही काम करें।

कांग्रेस ने अहिंसा से देश को आजादी और संविधान दियाः मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी

तेलंगाना, 26 नवम्बर। संविधान दिवस के अवसर पर, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को भारत के स्वतंत्रता संग्राम और एक सशक्त संविधान के निर्माण में कांग्रेस के महत्वपूर्ण योगदान को याद किया। तेलंगाना मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, हैदराबाद में 'संविधान रक्षा मार्च' में लोगों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल और डॉ. बी.आर. अंबेडकर की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने संविधान के माध्यम से सभी को समान अवसर प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि कांग्रेस का गठन 1885 में देश को स्वतंत्रता दिलाने और सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया



गया था। उन्होंने कहा, कई नेताओं ने स्वतंत्रता पाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और हमें संविधान भी दिया। कांग्रेस पार्टी ने ही बिना किसी युद्ध या खून-खराबे के, अहिंसा के रास्ते पर चलकर देश को आजादी दिलाई। नेहरू और अंबेडकर ने जनता को सत्ता सौंपने के महत्व को समझा और एक ऐसा संविधान तैयार किया, जिससे राजाओं और उनके परिजनों के हाथों में सत्ता रहने की परंपरा पर रोक लग सके। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने चेतावनी दी कि कुछ राजनीतिक ताकतें अपनी सत्ता को स्थायी बनाने की कोशिश में संविधान पर हमला कर रही हैं, और उन्होंने ऐसे हमलों का जवाब देने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, लोकतंत्र, संविधान द्वारा हमें दिया गया एक शानदार अवसर है। इसने आदिवासी समुदायों, दलितों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों सहित सभी को वोट देने का अधिकार दिया है। बीजेपी पर निशाना साधते हुए, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि दक्षिणपंथी संगठनों ने गरीबों और महिलाओं को वोट देने का अधिकार देने के खिलाफ तर्क दिए थे। उन्होंने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने सभी के लिए वोट देने का अधिकार सुनिश्चित किया।

संविधान दिवसः आपातकाल में 42वें संशोधन से संतुलन बिगड़ा, पीएम मोदी ने साधा निशाना

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय संविधान उनके सहित करोड़ों नागरिकों के जीवन का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन आपातकाल के चरम दौर में इसमें बड़े पैमाने पर संशोधन किए गए, जिससे न्यायिक समीक्षा की शक्ति सीमित हो गई और संस्थागत शक्तियों के संतुलन में मौलिक रूप से बदलाव आया। मोदी ने कांग्रेस का नाम लिये बगैर उस पर पार्टी के शासनकाल के दौरान संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि निर्वाचित राज्य सरकारों को बर्खास्त करने के लिए अनुच्छेद-356 का बार-बार दुरुपयोग किया जाना एक और चिंताजनक अध्याय है।

प्रधानमंत्री की ये टिप्पणियां बृहस्पतिवार को संविधान दिवस के मौके पर प्रमुख अखबारों में प्रकाशित उनके हस्ताक्षर वाले एक लेख का हिस्सा हैं। मोदी ने कांग्रेस की तरफ इशारा करते हुए कहा कि एक पार्टी का लगभग 100 बार अनुच्छेद-356 लागू करने का संदिग्ध रिकॉर्ड है और एक पूर्व प्रधानमंत्री ने तो इस मामले में अर्द्धशतक तक लगाया था। उनकी यह टिप्पणी इंदिरा गांधी की तरफ लक्षित मानी जा रही है।

मोदी ने कहा, हमारे संविधान निमार्ताओं को उम्मीद थी कि इसे पूरे भारत में अक्षरशः और उसकी मूल भावना के अनुरूप लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आपातकाल के चरम दौर में किए गए 42वें संविधान संशोधन को 50 साल हो चुके हैं और इसने न्यायिक समीक्षा की शक्ति सीमित कर दी थी तथा संस्थागत शक्तियों के संतुलन को बुनियादी तौर पर बदल दिया था। मोदी ने कहा, मैं युवाओं से आग्रह करूंगा कि वे 38वें और 39वें संविधान संशोधनों का अध्ययन



करें, ताकि उन्हें पता चल सके कि सत्ता का भूखा और संविधान-विरोधी नेतृत्व क्या कुछ कर सकता है। आपातकाल के दौरान 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के तहत संविधान में व्यापक बदलाव किए गए थे। आमतौर पर मिनी संविधान के नाम से जाने जाने वाले इस संशोधन के जरिये संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द जोड़े गए थे।प्रधानमंत्री ने बृहस्पतिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपने लेख में संविधान और संविधान सभा की विशिष्टता को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा, (मैंने लेख में इस बात पर प्रकाश डाला है कि) भारतीय संविधान मेरी यात्रा का अभिन्न हिस्सा कैसे है, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने किन तरीकों से संविधान को मजबूत किया है और सामाजिक एवं आर्थिक न्याय को बढ़ावा देने की दिशा में कौन-से प्रयास किए गए हैं। मोदी ने कहा कि लेख में इस बात को भी रेखांकित किया गया है कि कैसे उन लोगों ने संविधान को रौंदा, जिन्होंने पांच दशक तक देश पर शासन किया और कैसे एक पार्टी विरोध पक्ष से बदलकर अवरोध पक्ष बन गई है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और उसके नागरिकों को विशेष दर्जा देने वाले संवैधानिक प्रावधानों को निरस्त किए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 और 35ए के कारण जम्मू-कश्मीर में 70 वर्षों से अधिक समय तक संविधान पूरी तरह से लागू नहीं किया जा सका, जिससे अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों तथा महिलाओं के अधिकारों का हनन हुआ।

मोदी ने कहा, वर्ष 2019 में ही इस ऐतिहासिक गलती को सुधारा गया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान उनके सहित करोड़ों नागरिकों के जीवन का अभिन्न हिस्सा है और इसकी असाधारण भावना ने एक साधारण तथा वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले बालक को भी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करने में सक्षम बनाया। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार का प्रयास रहा है कि संविधान के साथ लोगों, खासकर युवाओं की सामूहिक चेतना का जुड़ाव और गहरा हो तथा भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए जरूरी एकता की भावना को और मजबूती मिले।

कोलकता में ट्रैफिक जाम घटाने को 14,000 करोड़ रुपये की रिंग रोड बनेगीः नितिन गडकरी

कोलकता। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कोलकाता के लिए 14,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली 250 किलोमीटर लंबी रिंग रोड परियोजना की घोषणा करते हुए कहा कि इससे शहर में यातायात को सुगम करने में मदद मिलेगी। पूर्व मेदिनीपुर जिले के कोलाघाट में 8,700 करोड़ रुपये की 22 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए गडकरी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और उनके मंत्रियों द्वारा उनसे मुलाकात किये जाने के बाद, उन्होंने अधिकारियों को कोलकाता की यातायात समस्याओं के समाधान के लिए एक योजना तैयार करने का निर्देश दिया था। मंच पर शुभेंदु अधिकारी की मौजूदगी में उन्होंने कहा, मैं कोलकाता को एक बेहतर शहर बनाना चाहता हूं। मैंने आपके मंत्री और अधिकारियों से कोलकाता को यातयात जाम से मुक्त करने की योजना तैयार करने को कहा था। मैं कोलकाता के लिए 14,000 करोड़ रुपये की लागत वाले 250 किलोमीटर लंबे रिंग रोड को मंजूरी देने की घोषणा कर रहा हूं। गडकरी ने कहा कि यह रिंग रोड शहर के सड़क बुनियादी ढांचे को सुधारने की एक व्यापक योजना की केवल शुरूआत है। उन्होंने अधिकारियों से कोलकाता की आवश्यकताओं का आकलन करने को कहा। उन्होंने उपलब्ध स्थान का सर्वोत्तम उपयोग करने और यातायात प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक शहरी सड़क इंजीनियरिंग मॉडल अपनाने का भी सुझाव दिया, जिसमें एक ही स्तंभ (सिंगल-पिलर सपोर्ट सिस्टम) पर सड़कों, फ्लाईओवरों और मेट्रो रेल को एकीकृत किया जाता है। गडकरी ने कहा, यह तो केवल शुरूआत है।

मोदी सरकार के 'डीएनए' में पारदर्शिता, ईमानदारी और नैतिकता का अभावः केसी वेणुगोपाल

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि पारदर्शिता, ईमानदारी और नैतिकता का अभाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 'डीएनए' में है।

उन्होंने यहां संविधान दिवस के अवसर पर पार्टी की ओर से 'संविधान रक्षा मार्च' में शामिल होने के बाद यह भी कहा कि सरकार एक ओर संविधान का अपमान कर रही है तो दूसरी ओर देश की संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनदेखी कर रही है। संविधान दिवस के अवसर पर कांग्रेस ने सभी राज्यों में 'संविधान रक्षा मार्च' निकाला।

वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी कार्यकताओं ने सभी राज्यों की राजधानियों में डॉ.



भीमराव आंबेडकर या महात्मा गांधी की प्रतिमाओं से मार्च की शुरूआत की। इन मार्च में लाखों लोगों ने हिस्सा लिया। कांग्रेस नेता ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस पिछले तीन-चार महीने से मुख्य निर्वाचन आयुक्त और एसआईआर व्यवस्था के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान दिवस के दिन, जब देश बाबा साहेब आंबेडकर और संविधान निमार्ताओं द्वारा दिए गए अधिकारों को याद कर रहा है, तब लोगों के मताधिकार पर खतरा मंडरा रहा है। वेणुगोपाल ने कहा, "हमारे संविधान की खूबसूरती यह है कि हर मतदाता का वोट बराबर है। चाहे कोई मजदूर हो या उद्योगपति, दोनों के मत का समान महत्व है। लेकिन सरकार ज्ञानेश कुमार के माध्यम से मताधिकार के इस संवैधानिक मूल्य को निशाना बनाने की कोशिश कर रही है।"

उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसी वजह से कांग्रेस विरोध कर रही है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध



TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
34+ Years of Academic Excellence
Experienced & Dedicated Faculty
Personal Attention
Printed Notes & Regular Tests
Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW



SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

बल्ले से निकला वैभव, क्रिकेट के आकाश में नया सूर्य



-ललित गर्ग

क्रिकेट के इतिहास में कुछ दिन केवल कैलेंडर की तारीख बनकर नहीं आते, वे इतिहास के पन्नों पर अमिट हस्ताक्षर कर जाते हैं। मंगलवार का दिन भारतीय क्रिकेट के लिए ऐसा ही एक मंगलमय दिवस बनकर सामने आया, जब महज पंद्रह वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने दोहा में अपने बल्ले से ऐसा सूर्य उदय किया, जिसकी रोशनी ने पूरी क्रिकेट दुनिया को चकाचौंध कर दिया। जिस उम्र में किशोर सपनों की उड़ान भरना शुरू करते हैं, उस उम्र में वैभव ने क्रिकेट के आकाश में अपने नाम का ऐसा ध्वज फहरा दिया, जिसे आने वाले वर्षों तक याद किया जाएगा। वैभव ने केवल 52 गेंदों में दोहरा शतक



जड़कर क्रिकेट जगत को स्तब्ध कर दिया। 28 गेंदों में शतक, महज 40 गेंदों में 150 रन और एक पारी में 28 छक्के-ये आंकड़े किसी वीडियो गेम की काल्पनिक स्कोरशीट जैसे लगते हैं, लेकिन वैभव ने इन्हें हकीकत की पिच पर उतार दिया। सूर्यवंशी की इस आतिशी पारी से दुनिया में खलबली मच गयी है, देश और दुनिया में बड़ी-बड़ी खबरों को दबा दिया है इस खबर ने। आज दुनिया के क्रिकेट जगत में सूर्यवंशी के खेल-वैभव की चर्चा हर जबान पर है। क्रिकेट के दिग्गज उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। साथ ही सवाल भी पूछ रहे हैं कि उन्हें टी-20 व वन डे की भारतीय टीम में बतौर ओपनर कब जगह मिल पायेगी? 204 रनों की उनकी तूफानी पारी में 168 रन केवल छक्कों से आए। बल्ले से निकली हर गेंद मानो सीमा रेखा के पार जाकर एक नया इतिहास लिख रही थी। यह केवल रन बनाने की पारी नहीं थी, बल्कि क्रिकेट की सीमाओं को चुनौती देने वाली एक अद्भुत बल्लेबाजी थी।

भारतीय क्रिकेट ने समय-समय पर ऐसी प्रतिभाओं को जन्म दिया है, जिन्होंने दुनिया को भारतीय क्रिकेट का लोहा मनवाया। सुनील गावस्कर की तकनीक, कपिल देव का साहस, सचिन तेंदुलकर की विलक्षणता, सौरव गांगुली का आत्मविश्वास, महेंद्र सिंह धोनी की निर्णायक क्षमता और विराट कोहली की आक्रामक निरंतरता-इन सबने भारतीय क्रिकेट को गौरव दिया। लेकिन वैभव सूर्यवंशी की कहानी इसलिए अलग है क्योंकि यह कहानी अभी किशोरावस्था में ही असाधारण उपलब्धियों का शंखनाद कर रही है। वैभव का बल्ला इस समय केवल गेंद को नहीं पीट रहा, बल्कि क्रिकेट की पुरानी धारणाओं को भी चुनौती दे रहा है और अपने कीर्तिमान से नया इतिहास बना रहा है। उनकी बल्लेबाजी में आत्मविश्वास है, निर्भीकता है, आक्रामकता है और सबसे बढ़कर एक स्वाभाविक लय है। वे गेंदबाज के नाम, प्रतिष्ठा या अनुभव से भयभीत होते दिखाई नहीं देते। उनकी बल्लेबाजी देखकर लगता है कि गेंद उनके लिए चुनौती नहीं, अवसर है और सीमा रेखा उनके लिए कोई दीवार नहीं, बल्कि एक आमंत्रण है।

वैभव सूर्यवंशी की उपलब्धियों की फेहरिस्त भी कम चमत्कारी नहीं है। अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में दस मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 295 रन और आईपीएल की 23 पारियों में 228 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 1028 रन उनकी असाधारण क्षमता का प्रमाण हैं। आईपीएल के 2026 सत्र में 72 छक्के लगाकर उन्होंने एक सीजन में सर्वाधिक छक्कों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा और ऑरेंज कैप हासिल की। इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी उपलब्धियां निश्चित रूप से सामान्य प्रतिभा की निशानी नहीं हैं। दोहा की इस पारी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि वैभव को भारतीय वनडे और टी-20 टीम में अवसर कब मिलेगा। यह स्वाभाविक मांग है कि ऐसी विलक्षण प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर आजमाया जाए, लेकिन इसके साथ धैर्य और विवेक भी जरूरी है। प्रतिभा को अवसर चाहिए, पर अवसर के साथ संरक्षण, मार्गदर्शन और मानसिक तैयारी भी उतनी ही आवश्यक है। क्रिकेट केवल बल्ले की ताकत का खेल नहीं, बल्कि परिस्थितियों, दबाव, रणनीति और मानसिक दृढ़ता की भी परीक्षा है।

सोलह वर्ष की उम्र में सचिन तेंदुलकर को पाकिस्तान के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उतारने का उदाहरण आज भी प्रेरणा देता है। सचिन ने उस अवसर को इतिहास में बदल दिया। वैभव के सामने भी संभावनाओं का विराट आकाश है। उन्हें अवसर अवश्य मिलने चाहिए, लेकिन उनके क्रिकेटीय विकास की गति और दिशा को समझते हुए। भारतीय क्रिकेट प्रशासन के लिए यह एक ऐसी प्रतिभा है, जिसे जल्दबाजी में दबाव के हवाले करने के बजाय सही ढंग से तराशने की जरूरत है। आज दुनिया के गेंदबाज भी वैभव की बल्लेबाजी को ध्यान से पढ़ रहे होंगे। उनकी कमजोरियां तलाशने, उनकी हिटिंग पावर को रोकने और उनके आक्रामक तेवरों पर अंकुश लगाने की रणनीतियां बन रही होंगी। यही चुनौती वैभव के लिए अगला पड़ाव है। उन्हें अपनी तकनीक में विविधता, शॉट चयन में परिपक्वता और परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करने की क्षमता विकसित करनी होगी। क्योंकि क्रिकेट में असली महानता केवल रिकॉर्ड बनाने में नहीं, बल्कि रिकॉर्ड बनने के बाद भी निरंतर ऊंचाई पर टिके रहने में है। साथ ही कुछ लोगों का मानना है कि मौलिक व आक्रामक खेल वाले खिलाड़ी विरले ही पैदा होते हैं, लेकिन समय पर बड़े अवसर न मिलने का नकारात्मक प्रभाव उनके खेल में पड़ सकता है। साथ ही जरूरी है कि वैभव अपने आक्रामक खेल को बनाये रखें, उसमें निरंतरता रहे और वे क्रिकेट की आधुनिक तकनीकों से रूबरू होते रहें। हर दिन वे अपने खेल के लिये जागरूक रहे एवं आने वाली चुनौतियां के लिये स्वयं को सक्षम बनाये। निश्चित रूप से अधिक इंटरनेशनल मैच खेलना, उनके खेल में निखार लाएगा। जाहिर है उनकी हालिया आतिशी पारी के बाद दुनिया के तमाम गेंदबाज उन पर हावी होने के रास्ते तलाश रहे होंगे। वे उनकी असाधारण प्रतिभा को काबू करने के नुस्खे तलाश रहे होंगे। उनकी हिटिंग पावर को रोकने की व्यूह रचना की जा रही होगी।

फिर भी मंगलवार की वह पारी अपने आप में एक युगांतकारी चमत्कृत करने वाली घटना है। जिस उम्र में अधिकांश खिलाड़ी बड़े मंच का सपना देखते हैं, उस उम्र में वैभव ने मंच को ही अपने नाम कर लिया। उनके बल्ले से निकले छक्के केवल गेंदों को सीमा के पार नहीं ले गए, उन्होंने भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी के सपनों को भी आसमान दे दिया। सूर्यवंशी का यह सूर्य अभी अस्त होने के लिए नहीं, निरंतर उदित होने के लिए आया है। उनके बल्ले से निकलती रनों की रोशनी भारतीय क्रिकेट के भविष्य को आलोकित करने की क्षमता रखती है। निस्संदेह, यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं, भारतीय क्रिकेट के इतिहास में लिखा गया एक स्वर्णिम पृष्ठ है। आज पूरे क्रिकेट जगत को इस किशोर प्रतिभा को सलाम करना चाहिए और कहना चाहिए-वैभव, तुम्हारे बल्ले का यह सूर्य जितना चमक रहा है, उतनी ही उज्ज्वल तुम्हारी क्रिकेट यात्रा की संभावनाएं हैं। आने वाला समय तय करेगा कि यह पारी केवल एक रिकॉर्ड बनकर रह जाती है या एक ऐसे स्वर्णिम क्रिकेट-ग्रंथ की पहली पंक्ति बनती है, जिसकी गाथा आने वाली पीढ़ियां गर्व से पढ़ेंगी।

आस्था का दीप, सत्ता की विवशता और संवैधानिक मयार्दा का प्रश्न



अशोक भाटिया

भारतीय लोकतंत्र की शक्ति केवल चुनावी प्रक्रियाओं की नियमितता में नहीं, बल्कि इस बात में निहित है कि शासन के चारों स्तंभ–विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और संवैधानिक प्रमुख–अपने-अपने दायरे में रहते हुए संविधान और विधि के शासन का कितना सम्मान करते हैं। तमिलनाडु के मदुरै स्थित ऐतिहासिक थिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम प्रज्ज्वलित करने को लेकर उपजा ताजा विवाद अब केवल एक स्थानीय धार्मिक अनुष्ठान या प्रशासनिक चूक का मामला नहीं रह गया है। यह घटना देश के संघीय ढांचे, सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के क्रियान्वयन, राजभवन और राज्य सरकार के बीच के संवैधानिक संतुलन तथा भारतीय समाज में परंपरा और कानून-व्यवस्था के सह-अस्तित्व जैसे गहरे राष्ट्रीय प्रश्नों को एक साथ सतह पर ले आई है। उत्तर भारत के हिमालयी अंचलों से लेकर दक्षिण के सुदूर तटों तक, जहां कहीं भी धार्मिक बहुलतावाद और प्रशासनिक उत्तरदायित्व का सवाल उठता है, मदुरै का यह घटनाक्रम एक गंभीर राष्ट्रीय विमर्श की मांग करता है।

विवाद की जड़ें भले ही स्थानीय भूगोल और सदियों पुरानी परंपराओं में निहित हों, किंतु इसका वर्तमान स्वरूप सीधे तौर पर संवैधानिक जवाबदेही से जुड़ गया है। भगवान मुरुगन के पवित्र निवास के रूप में पूजनीय थिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर दशकों से निचले हिस्से में स्थित उचिपिल्लैयार मंदिर के समीप दीप मंडपम में दीपम जलाने की परंपरा रही है। दूसरी ओर, पहाड़ी के ऊपरी हिस्से में एक प्राचीन पत्थर का स्तंभ ह्यदीपथूनह्ल स्थित है, जिससे कुछ दूरी पर एक ऐतिहासिक दरगाह भी मौजूद है। श्रद्धालुओं के एक वर्ग द्वारा दीपथून पर दीप प्रज्ज्वलित करने की मांग और दरगाह प्रबंधन की आपत्तियों के बीच यह मामला मद्रास उच्च न्यायालय पहुंचा। उच्च न्यायालय की एकल पीठ और खंडपीठ ने विरासत और परंपरा के समन्वय के साथ दीपथून पर दीप जलाने का निर्देश देते हुए प्रशासन की कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंकाओं को खारिज कर दिया था। जब राज्य सरकार ने इस निर्णय को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी, तो शीर्ष अदालत ने भी एक अत्यंत संतुलित मार्ग निकालते हुए 20 नवंबर को अपने अंतरिम आदेश में 24 नवंबर को एक बार के लिए दीपथून पर दीप जलाने की अनुमति प्रदान की। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि यह व्यवस्था किसी स्थायी स्वामित्व या नए अधिकार का सृजन नहीं करेगी।

यहीं से इस पूरे प्रकरण में वह निर्णायक मोड़ आता है, जिसने इसे एक सामान्य मुकदमे से निकालकर संवैधानिक संकट के मुहाने पर ला खड़ा किया। सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देश और धारा 144 लागू होने के बावजूद, 24 नवंबर की शाम निर्धारित समय पर दीपथून पर दीप नहीं जलाया जा सका और अनुष्ठान केवल पारंपरिक स्थान तक ही सीमित रहा। इसके बाद जो घटनाक्रम सामने आया, वह शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कई असहज करने वाले प्रश्न खड़े करता है। एक तरफ मदुरै के जिला कलेक्टर और राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रशासन ने सभी आवश्यक इंतजाम किए थे, किंतु मंदिर के देवस्थानम यानी न्यासी बोर्ड ने स्थापित परंपरा का

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

हवाला देते हुए दीप जलाने के लिए अपनी टीम नहीं भेजी। वहीं दूसरी तरफ, मंदिर के पारंपरिक पुजारियों यानी स्थानिकारों ने स्वयं को न्यासी बोर्ड के इस निर्णय से अलग कर लिया, जिससे प्रशासनिक दावों के भीतर के विरोधाभास उजागर हो गए। इस घटना के विरोध में राज्य भर में हुए प्रदर्शनों के दौरान पुलिस द्वारा लगभग 300 कार्यकर्ताओं पर मामले दर्ज किए जाने से राजनीतिक तापमान और बढ़ गया है।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने मामले का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की सरकार से विस्तृत स्पष्टीकरण तलब कर लिया है। राज्यपाल द्वारा पुलिस को दिए गए विशिष्ट निदेशों और जमीनी कार्रवाई का आधिकारिक ब्योरा मांगा जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि राजभवन इसे सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना और संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन में चूक के रूप में देख रहा है। यह स्थिति भारतीय राजनीति के उस व्यापक द्वंद्व को भी रेखांकित करती है, जहां हर राजनीतिक सत्ता को विचारधारा, वोट बैंक और संवैधानिक कर्तव्य के त्रिकोण में संतुलन साधना पड़ता है। तमिलनाडु की राजनीति में द्रविड़ आंदोलन के दशकों पुराने प्रभाव के बाद जब एक नई राजनीतिक शक्ति के रूप में मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की सरकार सत्ता में आई, तो उससे यह अपेक्षा की गई थी कि वह पारंपरिक राजनीतिक ध्रुवीकरण से ऊपर उठकर प्रशासनिक पारदर्शिता का परिचय देगी। किंतु दीपम विवाद में सरकार का पहले पुनर्विचार याचिका दायर करना, फिर आदेश का अनुपालन न कर पाना, और अंततः प्रशासन द्वारा इसकी जिम्मेदारी मंदिर प्रबंधन पर डाल देना–यह दशार्ता है कि संवेदनशील धार्मिक प्रश्नों पर राजनीतिक नेतृत्व अक्सर अनिर्णय और दबाव का शिकार हो जाता है।

परंतु एक राष्ट्र के रूप में हमारे सामने सबसे बड़ा प्रश्न राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि विधि के शासन (रूल ऑफ लॉ) की रक्षा का है। सर्वोच्च न्यायालय ने हालांकि इस मामले में स्वतः संज्ञान लेकर अवमानना की कार्यवाही शुरू करने से इनकार कर दिया, किंतु न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने पीड़ित पक्षों को औपचारिक अवमानना याचिका दायर करने की अनुमति देते हुए स्पष्ट किया है कि अदालत इस बात की जांच करेगी कि क्या उसके आदेश की जानबूझकर अवहेलना की गई है। याचिकाकताओं द्वारा अवमानना याचिका दायर करना और पारंपरिक स्थल पर जल रहे दीये की लौ से ही दीपथून पर दीप प्रज्ज्वलित करने की नई अर्जी देना यह बताता है कि प्रशासनिक टालमटोल ने विवाद को सुलझाने के बजाय और जटिल बना दिया है। अदालतें जब किसी संवेदनशील धार्मिक या सामाजिक विवाद में कोई अंतरिम व्यवस्था देती हैं, तो उनका उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के बीच विश्वास बहाल करना और टकराव को टालना होता है। यदि किसी राज्य की कार्यपालिका, चाहे कारण जो भी हों, देश की सर्वोच्च अदालत के स्पष्ट आदेश को जमीन पर लागू करने में विफल रहती है, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक खतरनाक नजीर बन सकती है। इसके समानांतर, राज्यपाल और चुनी हुई राज्य सरकार के बीच के संबंधों का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। संविधान के अनुच्छेद 167 के तहत राज्यपाल को राज्य के प्रशासन संबंधी मामलों की जानकारी मांगने का अधिकार प्राप्त है, और जब मामला सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन से जुड़ा हो, तो राज्यपाल की सक्रियता को संवैधानिक निगरानी के रूप में देखा जा सकता है। फिर भी, देश के विभिन्न राज्यों में राजभवन और सचिवालय के बीच जिस तरह की तनातनी हाल के वर्षों में देखने को मिली है, उसे देखते हुए यह आवश्यक है कि संवाद का यह माध्यम राजनीतिक टकराव का अखाड़ा न बने। राज्यपाल की भूमिका एक संवैधानिक अभिभावक की होती है, न कि समानांतर सत्ता केंद्र चलाने की। इसी प्रकार, राज्य सरकार का भी यह दायित्व है कि वह राजभवन द्वारा मांगी गई जानकारी को पारदर्शिता के साथ साझा करे और अपनी प्रशासनिक परिस्थितियों को तथ्यों के आधार पर स्पष्ट करे।

सामाजिक दृष्टि से देखें तो थिरुपरनकुंड्रम की पहाड़ी सदियों से जिस साझा संस्कृति और सह-अस्तित्व की साक्षी रही है, उसे बचाए रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत की विशेषता यही रही है कि यहां मंदिरों की घंटियां और दरगाहों की इबादत एक ही भौगोलिक परिवेश में सदियों से बिना किसी कटुता के गूंजती रही हैं। समस्या तब उत्पन्न होती है जब आस्था के प्रतीकों को शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बनाया जाता है या प्रशासनिक अदूरदर्शिता के कारण संवाद के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय में अवमानना याचिकाओं पर होने वाली सुनवाई से पूर्व, यह सभी पक्षों के लिए आत्ममंथन की घड़ी है। राज्य सरकार को यह समझना होगा कि न्यायपालिका के समक्ष केवल औपचारिक स्पष्टीकरण पर्याप्त नहीं है, बल्कि संवैधानिक दायित्वों के प्रति दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाना आवश्यक है। मदुरै की पहाड़ी पर जलने वाला दीप तभी सच्चे अर्थों में आलोक बिखेर पाएगा, जब वह संवैधानिक मयार्दा, न्यायिक सम्मान और आपसी भाईचारे के स्नेह से सिंचित होगा।

चार बालाएं राजस्थान में नई पीढ़ी की उम्मीद



- निरंजन परिहार

वर्षा झाला। कोमल भंवरिया। ममता गुर्जर और संतोष कुमारी। चार बालाएं। चारों की उम्र महज 21-22 साल। लेकिन चारों जिला प्रमुख। चारों के हाथों में पूरे जिले की कमान। चारों की आंखों में सपने। मगर, सामने सियासत की जमीन बेहद कठोर। सवाल यह है कि बाली उमर की ये बालाएं क्या राजस्थान में बदलाव की नई इबारत लिखेंगी? सवाल इसलिए क्योंकि सियासत के दरवाजे अक्सर उम्र, अनुभव और रसूख की चाबियों से खुलते हैं। यहां बरसों की तपस्या भी मंजिल की मोहताज होती है। लेकिन राजस्थान के चार जिलों में इस बार सियासत ने उम्र की चौखट लांघी है। झालावाड़ में वर्षा झाला। झुंझुनू में कोमल भंवरिया। ब्यावर में ममता गुर्जर। और जैसलमेर में संतोष कुमारी। चारों चारों जेन-जेड। मगर चारों जिला प्रमुख। और चारों ने उस सियासी व्यवस्था में अपनी जगह बनाई, जहां कदम-कदम पर अनुभव आड़े आता है। ये चारों नाम नई पीढ़ी के आत्मविश्वास की दस्तक हैं। ये उन सपनों की उड़ान हैं, जिन्हें अब तक सियासत की ऊंची दीवारों के बाहर खड़े होकर देखा जाता था। अब ये बेटियां उन दीवारों के भीतर हैं। फैसलों की बैठकों में हैं। और जिम्मेदारी के केंद्र में हैं।

हमारे राजस्थान की धरती ने बेटियों के संघर्ष की अनेक कहानियां देखी हैं। कभी जन्म से पहले उनको गर्भ में ही मार दिए जाने की घटनाएं, और पैदा हो जाए तो उनके अस्तित्व पर संकट। कभी शिक्षा के रास्ते में बंदिशें। कभी सपनों पर सामाजिक पहरे। तो कहीं परिवार में परंपरा की पतवार। ऐसे प्रदेश में बीस झ बीइस साल की बेटियों का सियासत में पूरे जिले के नेतृत्व तक पहुंचना कोई सामान्य घटना नहीं। सामाजिक बदलाव का संकेत भी है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओ' के बाद यह वक्त अब बेटी को निर्णय लेने दो, बेटी को नेतृत्व करने दो, और बेटी को अपनी क्षमता साबित करने दो का है। सियासत में उम्र को अनुभव की कसौटी माना गया है।



संगठन की सीढ़ियां चढ़ना। चुनावी दांव-पेच समझना। नेताओं के बीच अपनी पैठ बनाना। सत्ता के गलियारों में लंबा सफर तय करना। यही नेतृत्व की पारंपरिक पहचान रही है। लेकिन वर्षा झाला, कोमल भंवरिया, ममता गुर्जर और संतोष कुमारी ने बता दिया है कि नेतृत्व हौसलों की विरासत भी है। अवसर मिले, तो युवा कंधे भी बड़ी जिम्मेदारियां उठा सकते हैं। हालांकि, इनका सफर आसान नहीं रहा। विपरीत परिस्थितियों में मिली जीत ने इन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। लेकिन जिला प्रमुख का पद किसी विजय जुलूस का आखिरी पड़ाव नहीं। यह जिम्मेदारियों की लंबी यात्रा का पहला मोड़ है। और असली परीक्षा यहीं शुरू होती है। इन चारों बालाओं के सामने प्रशासन की बारीकियां समझने की चुनौती है। जनहित के सवालों पर मुखर होने का दायित्व है। जनता की उम्मीदों को जमीन पर उतारने का दबाव है। और वरिष्ठ नेताओं के बीच अपनी बात कहने का साहस संजोने का समय है। सियासी झिझक को तोड़ना है। और सबसे अहम, अपने काम से खुद के होने को साबित करना है। हमारे हिंदुस्तान में 21-22 साल की उम्र अक्सर भविष्य तलाशने की उम्र होती है। कोई पढ़ रहा होता है। कोई नौकरी के लिए संघर्ष कर रहा होता है। कोई परीक्षाओं की तैयारी में जुटा होता है। और कोई अपने मन के मीत के सपने देख रहा होता है। लेकिन ये चार युवतियां हजारों लोगों की आकांक्षाओं और जिले के विकास के सपने लेकर आगे बढ़ रही हैं। यह केवल उम्र का अंतर नहीं। अवसर का अंतर है। साहस का अंतर है। और थोड़ा थोड़ा किस्मत का भी। चारों की जीत जितनी प्रेरक है। रास्ता उतना ही कठिन है। और वहां टिके रहना तो उससे भी मुश्किल। यहां हर फैसले पर हर किसी की निगाहें होती हैं। हर बयान पर बहस होती है। हर कदम का हिसाब होता है। और फिर युवा नेतृत्व के सामने तो सवाल और भी तीखे होते हैं। अनुभव की कमी का ताना। स्वतंत्र फैसलों पर संदेह। क्षमता पर सवाल। और कभी-कभी केवल इसलिए भी आलोचना, क्योंकि नेतृत्व की कुर्सी पर चेहरा नया है, जो पुरानों को सुहाता कुछ कम है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वर्षा झाला, कोमल भंवरिया, ममता गुर्जर और संतोष कुमारी पुरुषों के प्रभुत्व वाले पंचायती राज के मैदान में वरिष्ठ नेताओं के बीच अपनी स्वतंत्र पहचान बना पाएंगी? क्या वे फैसलों की नई दिशा तय करेंगी? या गांवों में निर्वाचित कई महिला प्रतिनिधियों की तरह केवल पिता, भाई या पति के साये में पद की शोभा बनकर रह जाएंगी? क्या उनके हाथों में वास्तविक सत्ता होगी, या केवल पद की औपचारिकता? सवालों से बचना नहीं चाहिए। क्योंकि महिला नेतृत्व का उत्सव मनाना जितना जरूरी है, उसकी स्वतंत्रता और प्रभाव सुनिश्चित करना उससे कहीं ज्यादा जरूरी है। अनुभव उम्र के साथ आता है, लेकिन जिम्मेदारी निभाने से निखरता है। संघर्ष से आकार लेता है। इन चारों बेटियों के पास शायद सियासी अनुभव कम है। लेकिन सीखने की उम्र ज्यादा है। ऊर्जा है। संघर्ष का जज्बा है और नए विचार को साथ साथ खुद को साबित करने का अवसर भी है। वर्षा, कोमल, ममता और संतोष अपने पद को प्रतिष्ठा का प्रतीक बनाने के बजाय बदलाव का औजार बना सकती हैं। इन चारों बेटियों का जिला प्रमुख बनना उन हजारों लड़कियों के लिए भी एक संदेश है, जो सपने देखती हैं लेकिन अवसरों की कमी से जूझती हैं। गांव की वह लड़की, जो पंचायत की बैठक में बोलने से डरती है। वह छात्रा, जो सियासत में आना चाहती है, लेकिन इसे अपने लिए असंभव मानती है। वह युवा महिला, जो समाज की तय सीमाओं से आगे निकलना चाहती है। वर्षा, कोमल, ममता और संतोष इन चार चेहरों में वह अपने भविष्य की तस्वीर देख सकती है। बेशक, आने वाले दिन आसान नहीं होंगे। संघर्ष होगा।

अखिलेश के प्रण पत्र से कांग्रेस हाईकमान सतर्क



-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की सियासत में 2027 के विधानसभा चुनाव की बिसात बिछने के साथ ही विपक्षी खेमे यानी इंडिया गठबंधन के भीतर की दरारें अब सतह पर आ गई हैं। राज्य में समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस का गठबंधन इस वक्त दो विपरीत दिशाओं में दौड़ता नजर आ रहा है। एक ओर दोनों दलों का शीर्ष नेतृत्व और वातार्कार यह दावा कर रहे हैं कि सीटों के बंटवारे पर बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है और जल्द ही सम्मानजनक समझौता हो जाएगा, वहीं दूसरी ओर दोनों दलों की दूसरी पंक्ति के दिग्गज नेता सार्वजनिक मंचों से एक-दूसरे की सियासी पगड़ी उछालने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हालात इतने तल्ख हो चुके हैं कि गठबंधन के भविष्य को लेकर ही सवाल उठने लगे हैं। सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस आलाकमान यानी गांधी परिवार भी अखिलेश के घोषणा पत्र जारी होने से नाराज बताया जा रहा है। इस सियासी घमासान की सबसे तीखी तस्वीरें पश्चिमी उत्तर प्रदेश से सामने आ रही हैं, जहां सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान और कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई है। इमरान मसूद ने सीट बंटवारे में देरी और सपा के रुख पर भड़कते हुए यहां तक कह दिया कि कांग्रेस कोई भीख नहीं मांग रही है और वह सौ सीटों से कम पर समझौता नहीं करेगी। मसूद के इस भिखारी और भीख वाले बयान पर केवल आजम खान ही नहीं, बल्कि सपा की युवा सांसद इकरा हसन ने भी बेहद तीखा पलटवार किया है। इकरा हसन ने मसूद की भाषा पर कड़ी आपत्ति जताते हुए याद दिलाया कि जिन सीटों पर कांग्रेस दावा ठोक रही है, वहां सपा के अपने विधायक और मजबूत जनाधार हैं। वहीं, सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने भी 26 सीटों का प्रस्ताव रखकर कांग्रेस को उसकी सियासी हैसियत का अहसास कराने की कोशिश की, जिस पर कांग्रेस खेमे में भारी नाराजगी है। दूसरी ओर, खुद आजम खान भी अपने बयानों और असदुद्दीन ओवैसी व चंद्रशेखर आजाद के साथ सियासी टकराव को लेकर सुर्खियों में हैं, जिससे गठबंधन के भीतर का माहौल और अधिक उलझ गया है।

सीटों के बंटवारे को लेकर चल रही इस रस्साकशी के बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक ऐसा कदम उठाया है, जिसने कांग्रेस की बेचैनी को कई गुना बढ़ा दिया है। दिल्ली में कांग्रेस नेताओं के साथ सीट-दर-सीट चर्चा का दूसरा दौर



खत्म होने के महज कुछ ही घंटों बाद सपा ने अपने पांच प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। इन पांच सीटों में सहारनपुर, शामली, अमरोहा और ललितपुर जैसी वे सीटें शामिल हैं, जिन पर कांग्रेस भी अपनी दावेदारी जता रही थी या जहां सपा के मौजूदा विधायक हैं। इतना ही नहीं, आज 26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस के मौके पर अखिलेश यादव ने बिना कांग्रेस को भरोसे में लिए अपनी पार्टी का चुनावी घोषणापत्र भी जारी कर दिया, जिसे सपा ने सत्ताईस का संकल्प, पीडीए का प्रणपत्र यानी जन-मन का मैनिफेस्टो नाम दिया है। इसमें महिलाओं को 40 हजार रुपये सालाना पेंशन, 300 यूनिट मुफ्त बिजली और पुरानी पेंशन जैसे बड़े वादे किए गए हैं। कांग्रेस के भीतर इस बात को लेकर गहरी नाराजगी है कि जब गठबंधन की बात चल रही है, तो सपा एकतरफा तरीके से न केवल उम्मीदवारों का ऐलान कर रही है, बल्कि अपना अलग घोषणापत्र लाकर यह संदेश भी दे रही है कि उसे कांग्रेस की कोई खास परवाह नहीं है।

सपा की इस आक्रामक और एकतरफा रणनीति की काट के लिए कांग्रेस के नेताओं ने अब ह्यप्रेशर पॉलिटिक्सह्ल का सहारा लेना शुरू कर दिया है। इमरान मसूद जैसे कांग्रेस के प्रमुख मुस्लिम चेहरों द्वारा बसपा सुप्रीमो मायावती के कसीदे पढ़ना इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इसके जरिए कांग्रेस सपा नेतृत्व को यह स्पष्ट संदेश देने की कोशिश कर रही है कि यदि उसे गठबंधन में सम्मानजनक सीटें नहीं मिलीं, तो उसके पास बसपा के साथ हाथ मिलाने का विकल्प खुला है। कांग्रेस का मानना है कि यदि वह मायावती के साथ जाती है, तो दलित और मुस्लिम वोटों का एक नया समीकरण बन सकता है, जो सीधे तौर पर सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉमूर्ले को ध्वस्त कर देगा। इन तमाम अंदरूनी कलह और राजनीतिक दांव-पेच के बीच उत्तर प्रदेश का चुनावी माहौल तेजी से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बनाम अखिलेश यादव के बीच सिमटता नजर आ रहा है। एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विपक्ष के इस बिखराव पर चुटकी लेते हुए दो लड़कों की जोड़ी पर निशाना साध रहे हैं और भाजपा अपनी संगठनात्मक मजबूती व विकास कार्यों के दम पर सीधे मुकाबले का माहौल बना रही है। दूसरी तरफ अखिलेश यादव ने पांच सीटों पर आधिकारिक रूप से प्रत्याशी घोषित करने के साथ-साथ अंदरखाने दर्जनों अन्य सीटों पर अपने मौजूदा विधायकों और मजबूत दावेदारों को तैयारी करने का ग्रीन सिग्नल दे दिया है। सपा की रणनीति साफ है कि वह उन सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार तय कर चुकी है, जहां 2022 के विधानसभा या 2024 के लोकसभा चुनाव में उसका प्रदर्शन बेहतर रहा था, और वह कांग्रेस को केवल उन्हीं करीब 26 से 30 सीटों तक सीमित रखना चाहती है, जहां सपा कमजोर रही है।

लेकिन यूपी की इस चुनावी बिसात को केवल योगी बनाम अखिलेश के सीधे मुकाबले तक सीमित मानना बड़ी भूल हो सकती है, क्योंकि राज्य में एक मजबूत तीसरा मोर्चा भी आकार ले चुका है। आज 26 नवंबर को संविधान दिवस के ही दिन लखनऊ के विशाल रमाबाई आंबेडकर मैदान में आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के ह्यसामाजिक परिवर्तन मोर्चाह्ल ने एक जबरदस्त महारैली कर अपनी ताकत का एहसास कराया है। इस रैली में उमड़े जनसैलाब ने लखनऊ से लेकर दिल्ली तक के सियासी पंडितों का ध्यान खींचा है। ओवैसी और चंद्रशेखर की यह जोड़ी दलित और मुस्लिम मतदाताओं के बीच दलित-मुस्लिम गठजोड़ के सहारे एक आक्रामक विकल्प के रूप में उभर रही है। यदि यह गठबंधन और बसपा अलग-अलग चुनाव लड़ते हैं, तो भी ये दोनों मिलकर सपा और कांग्रेस के परंपरागत दलित-मुस्लिम वोट बैंक में बड़ी सेंध लगा सकते हैं। रमाबाई पार्क की आज की रैली का उत्साह यह बताता है कि युवा दलित और मुस्लिम वर्ग का एक बड़ा हिस्सा अब पारंपरिक दलों से छिटककर नए नेतृत्व की ओर देख रहा है। यदि सपा और कांग्रेस समय रहते अपने अहं और सीटों के झगड़े को नहीं सुलझाते हैं, तो योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मजबूत मोर्चा बनाने का उनका सपना बिखर सकता है, और इसका सीधा लाभ सत्ताधारी भाजपा को मिल

THR पाककला प्रतियोगिता में पालघर की आंगनवाड़ी सेविका ने राज्य स्तर पर लहराया परचम



पालघर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध अनाज, दालों और हरी सब्जियों का रचनात्मक उपयोग कर बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के प्रयासों को राज्य स्तर पर सराहना मिली है। 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत आयोजित THR (टेक होम राशन) पाककला प्रतियोगिता में पालघर जिले की आंगनवाड़ी सेविका प्रगति पंढरी सातवी ने राज्य स्तर पर तृतीय स्थान हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया है। उनकी तैयार की गई मल्टीमिक्स सीरियल्स एंड प्रोटीन पातोले नामक पौष्टिक रेसिपी को इस प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार प्रदान किया गया। एकीकृत बाल विकास परियोजना मनोर के अंतर्गत हालोली, पडवल पाडा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में कार्यरत सेविका प्रगति सातवी को इस उपलब्धि के लिए 25 नवंबर को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण सेंटर, नरीमन पॉइंट में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति वरदा सुनील तटकरे, राज्यमंत्री मेघना बोर्डीकर एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से वितरित किये जाने वाले THR (Take Home Ration) का प्रभावी उपयोग कर बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराना है। साथ ही THR में मौजूद पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग, बच्चों के भोजन में विविधता और पौष्टिक व्यंजनों के प्रति उनकी रुचि बढ़ाना भी इस पहल का उद्देश्य है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अनाज, दालों और मौसमी सब्जियों से अलग-अलग पौष्टिक व्यंजन तैयार करने के लिए आंगनवाड़ी सेविकाओं को प्रोत्साहित किया जाता है। इसी क्रम में राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान आंगनवाड़ी, तहसील एवं जिला स्तर पर THR आधारित पौष्टिक पाककला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। पालघर जिले में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता से उत्कृष्ट रेसिपी का चयन कर उसे राज्य स्तरीय समिति के समक्ष भेजा गया। 19 नवंबर 2026 को आयोजित राज्य स्तरीय समिति की बैठक में विभिन्न जिलों से प्राप्त पाककला प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया गया। इसमें प्रगति पंढरी सातवी की मल्टीमिक्स सीरियल्स एंड प्रोटीन पातोले रेसिपी ने विशेष स्थान हासिल करते हुए तृतीय पुरस्कार अपने नाम किया। मुंबई में आयोजित सम्मान समारोह में महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव शैला ए., एकीकृत बाल विकास सेवा योजना की आयुक्त माधवी सरदेशमुख, बाल स्वास्थ्य एवं विकास विभाग के संचालक डॉ. हेमांग शाह तथा IPE Global के वरिष्ठ संचालक राघवेश रंजन सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे। इस अवसर पर एकीकृत बाल विकास परियोजना मनोर, विभाग मनोर-3 की पर्यवेक्षिका योगिता डांगे भी मौजूद रहीं। प्रगति सातवी की इस उपलब्धि से यह साबित हुआ है कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य सामग्री का सही और रचनात्मक उपयोग कर बच्चों के पोषण स्तर में महत्वपूर्ण सुधार लाया जा सकता है। उनके इस राज्य स्तरीय सम्मान से पालघर जिले का गौरव बढ़ा है। इस उल्लेखनीय सफलता पर महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे, विभाग की सचिव शैला ए., आयुक्त माधवी सरदेशमुख, जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे तथा अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील ने प्रगति पंढरी सातवी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आईआईएम बेंगलुरु भारत और मध्य एशिया में नंबर 1, मिला 5 पाम्स एमेरिटस सम्मान

मुंबई। बेंगलुरु में भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलुरु ने एडयूनिवर्सल दो हजार सत्ताईस रैंकिंग में भारत और मध्य एशिया में पहला स्थान हासिल किया है। संस्थान को प्रतिष्ठित पाँच पाम्स एमेरिटस सम्मान मिला है। यह सम्मान उन संस्थानों को मिलता है जो दस से अधिक वर्षों तक लगातार पाम्स ऑफ एक्सीलेंस लीग में बने रहते हैं और सार्वभौमिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हैं। संस्थान को मध्य एशिया क्षेत्र में पहला स्थान पाने के लिए स्वर्ण ट्रॉफी भी मिली है। संस्थान की डीन अनुशंसा दर तीन सौ बहत्तर प्रतिशत रही, जो क्षेत्र में सबसे अधिक है। यह देश के केवल दो भारतीय प्रबंध संस्थानों में से एक है जिसे पाँच पाम्स एमेरिटस दर्जा मिला है और देश में पाँच पाम्स ऑफ एक्सीलेंस पाने वाले तीन संस्थानों में से एक है। फ्रांस के बियारिट्ज में हुए उन्नीसवें एडयूनिवर्सल विश्व सम्मेलन में कार्यक्रमों की डीन प्रोफेसर मुक्ता कुलकर्णी ने संस्थान की ओर से ये पुरस्कार ग्रहण किए। इस सम्मान पर प्रोफेसर मुक्ता कुलकर्णी ने कहा कि भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलुरु को फिर से एमेरिटस दर्जा मिलते देखना सुखद है। हम समकालीन प्रबंधन शिक्षा को नए सिरे से गढ़ते रहते हैं। हमारे कार्यक्रम अभ्यास, उद्यमिता, अंतरराष्ट्रीयकरण, नवाचार और सामाजिक प्रभाव को केंद्र में रखते हैं। इनसे ऐसे सक्षम नेता तैयार होते हैं जो व्यवसाय की नई अनिश्चितताओं में काम कर सकते हैं। प्रभारी निदेशक प्रोफेसर यू दिनेश कुमार ने कहा कि हमारा प्रयास व्यवसाय और समाज की बदलती जरूरतों से आगे रहने का है। हम यह प्रासंगिक शोध, परिवर्तनकारी शिक्षण और बदलाव लाने में सक्षम विचारकों के माध्यम से करते हैं। हम इस सम्मान को अपने काम की पुष्टि और आगे बढ़ने की प्रेरणा मानते हैं। आज संस्थान के कार्यक्रम वैश्विक रैंकिंग में लगातार पहचान बना रहे हैं। स्नातकोत्तर कार्यक्रम फाइनेंशियल टाइम्स रैंकिंग में विश्व में इक्कीसवें स्थान पर और भारत में पहले स्थान पर रहा।

रेज फाइनेंशियल सर्विसेज ने लॉन्च किया ट्रेडिंगचार्ट्स : भारतीय ट्रेडर्स और निवेशकों के लिए नए सिरे से तैयार एआई आधारित चार्टिंग प्लेटफॉर्म

मुंबई/पटना। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते ट्रेडिंग और इन्वेस्टिंग प्लेटफॉर्म्स में से एक, धन की मूल कंपनी रेज फाइनेंशियल सर्विसेज ने आज ट्रेडिंगचार्ट्स को लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक एआई आधारित चार्टिंग प्लेटफॉर्म है, जिसे भारतीय ट्रेडर्स और निवेशकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर नए सिरे से तैयार किया गया है। ट्रेडिंगचार्ट्स को पूरी तरह इन-हाउस डिजाइन और विकसित किया गया है। इसे धन के अपने ट्रेडिंग इंजन डेक्स्ट और रेज के अपने एआई सिस्टम के साथ गहराई से जोड़ा गया है।

ट्रेडिंगचार्ट्स का मकसद लाखों भारतीय ट्रेडर्स और निवेशकों तक बाजार के विश्लेषण और ट्रेडिंग के आधुनिक टूल्स पहुंचाना है। इसके लिए ट्रेडिंगचार्ट्स डॉट को पर एक स्वतंत्र चार्टिंग प्लेटफॉर्म के रूप में उन्नत चार्टिंग सुविधाएं मुफ्त दी जा रही हैं। यह प्लेटफॉर्म 20 से ज्यादा प्रकार के चार्ट, 200 से ज्यादा मुफ्त इंडिकेटर्स, 8 से ज्यादा चार्ट लेआउट और सेकंड से लेकर दिनों तक के कई टाइमफ्रेम पेश करता है।

नागरी संरक्षण दल द्वारा आपदा से निपटने की तैयारियों का किया गया दमदार प्रदर्शन, डहाणू में जिला स्तरीय मॉक ड्रिल संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। आपदा के समय नागरिकों की सुरक्षा, त्वरित बचाव कार्य और विभिन्न सरकारी एजेंसियों के बीच समन्वय की क्षमता को परखने के उद्देश्य से बुधवार 25 नवंबर 2026 को डहाणू में जिला स्तरीय नागरी संरक्षण मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। जिलाधिकारी एवं नागरिक सुरक्षा नियंत्रक डॉ. इंदु रानी जाखड़ के निर्देशन तथा तारापुर नागरी संरक्षण दल के जिला उपनियंत्रक काशिनाथ आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभ्यास में हजारों स्कूली विद्यार्थियों सहित विभिन्न सरकारी विभागों, सुरक्षा एजेंसियों, आपातकालीन सेवाओं और नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दोपहर 3:30 बजे डहाणू स्थित के. एल. पोंदा हाईस्कूल एवं जूनियर कॉलेज के मैदान में मान्यवरों के हाथों दीप प्रज्वलित कर मॉक ड्रिल की शुरूआत की गई। इस दौरान हवाई हमले, भूकंप व अन्य आपातकालीन परिस्थितियों का कृत्रिम दृश्य तैयार कर वास्तविक बचाव एवं राहत कार्यों का प्रदर्शन किया गया। आपदा के दौरान घायलों को सुरक्षित बाहर निकालना, प्राथमिक उपचार देना, नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना तथा विभिन्न बचाव एजेंसियों द्वारा आपसी समन्वय से कार्य करने का



प्रभावी प्रदर्शन किया गया। इस अभ्यास में डहाणू क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों ने भाग लिया। धनंजय विद्यालय और घोलवड़ क्षेत्र के विद्यालयों के विद्यार्थी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को आपदा के समय बरती जाने वाली सावधानियों, सुरक्षा नियमों और नागरिक सुरक्षा के महत्व की जानकारी व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से दी गई। कार्यक्रम में सीआईएसएफ के वरिष्ठ कमांडेंट आशू सिंघल प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं एनडीआरएफ पालघर यूनिट के सुरेंद्र कुमार व शशी कुमार तथा आपदा प्रबंधन अधिकारी विवेकानंद कदम विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। इसके अलावा वसई विभाग के उपमुख्य क्षेत्ररक्षक अशोककुमार रणखांब तथा पालघर विभाग के उपमुख्य क्षेत्ररक्षक अजित राऊत की भी उपस्थिति रही। इस अवसर पर सीआईएसएफ के उपनिरीक्षक धर्मेंद्र जैमन, अदाणी अग्निशमन विभाग के फायर ऑफिसर देशराज परमार, के. एल. पोंदा हाईस्कूल की प्राचार्या राशिका घागस, बीएआरसी के सहायक सुरक्षा अधिकारी विशाल भुसारा, वनाधिकारी ईश्वर पाटील तथा वन्यजीव रक्षक सूर्यदास चौधरी एवं एरिक तडवाला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित थे। मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ, सीआइएसएफ, पुलिस प्रशासन, अग्निशमन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग, महाराष्ट्र राज्य परिवहन सेवा, बीएआरसी, स्थानीय नगर परिषद सहित अन्य संबंधित सरकारी एजेंसियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

रिश्वतखोरी के मामले में घिरे कारिवली के सरपंच को पदभार संभालने से रोकने की मांग

भिवंडी। भिवंडी तहसील के कारिवली ग्राम पंचायत के सरपंच को रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार किए जाने के बाद अब उन्हें ग्राम पंचायत का कामकाज करने से रोकने की मांग उठने लगी है। ग्राम पंचायत के बहुमत सदस्यों ने ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को शिकायत ज्ञापन सौंपकर सरपंच को कार्यभार संभालने से प्रतिबंधित करने की मांग की है। ज्ञापन के अनुसार, कारिवली ग्राम पंचायत के सरपंच पर 7 लाख 50 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 446/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में उनकी गिरफ्तारी भी हुई थी। सदस्यों का कहना है कि ऐसे गंभीर आरोपों का सामना कर रहे सरपंच के हाथों ग्राम पंचायत का कामकाज जारी रहने से प्रशासनिक पारदर्शिता और जनता के विश्वास पर असर पड़ सकता है। इस मांग का समर्थन करने वाले सदस्यों में वैशाली डोंगरे, संदीप पाटिल, सुधाकर पाटिल, विकी घरत, उमेश पाटिल, दिनेश पाटिल, लक्ष्मी तुम्मा, प्रेमा नाईक, प्रीति नाईक, पूनम पाटिल, नयना पाटिल, प्रज्ञा घरत, वंदना पाटिल और सुषमा सहित अन्य सदस्य शामिल हैं। महिला ग्राम पंचायत सदस्यों का आरोप है कि सरपंच के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार की आशंका बढ़ सकती है। एक जनप्रतिनिधि पर लगे रिश्वतखोरी के आरोपों के कारण पूरी ग्राम पंचायत की छवि प्रभावित हो रही है और नागरिकों में अविश्वास की भावना पैदा हो रही है। सदस्यों ने जिला परिषद प्रशासन से सरपंच के खिलाफ मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत दर्ज मामले में दोष सिद्ध होने पर कानूनी सजा सुनिश्चित करने की मांग की है।

किसान भाइयों की मदद के लिए भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा ने बढ़ाया हाथ, मुख्यमंत्री सहायता निधि में दिए 51 हजार रुपये

भाजपा जिलाध्यक्ष भरत राजपूत के जन्मदिन पर 11 लाख की सहायता राशि जमा

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में कम बारिश के कारण सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहे किसानों की मदद के लिए उत्तर भारतीय मोर्चा, भाजपा पालघर जिला की ओर से सराहनीय पहल की गई है। भाजपा पालघर जिला अध्यक्ष भरत राजपूत के जन्मदिन के अवसर पर उत्तर भारतीय मोर्चा की ओर से 51 हजार रुपये का चेक मुख्यमंत्री सहायता निधि में जमा कराने के लिए प्रदान किया गया। इस वर्ष महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों में अपेक्षा से काफी कम बारिश होने के कारण किसानों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। इसी परिस्थिति को देखते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष भरत राजपूत ने अपने जन्मदिन पर समर्थकों एवं कार्यकताओं से अपील की थी कि वे



उन्हें कोई उपहार या भेंटवस्तु देने के बजाय किसान भाइयों की मदद के लिए मुख्यमंत्री सहायता निधि में अपनी क्षमता के अनुसार आर्थिक सहयोग करें। भरत राजपूत की इस संवेदनशील अपील का सम्मान करते हुए उत्तर भारतीय मोर्चा, भाजपा पालघर जिला की ओर से 51 हजार रुपये का चेक सहायता निधि में जमा कराने के लिए दिया गया। इस पहल के माध्यम से संगठन ने किसानों के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी और एकजुटता का संदेश दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष भरत राजपूत के जन्मदिन को सामाजिक सरोकार और किसान हित के कार्य से जोड़ने की इस पहल की उपस्थित लोगों ने सराहना की। उत्तर भारतीय मोर्चा के इस योगदान को किसानों के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक एकजुटता की एक प्रेरणादायक मिसाल माना जा रहा है। इस अवसर पर उत्तर भारतीय मोर्चा के जिला अध्यक्ष रास बिहारी सिंह, जिला उपाध्यक्ष ललित माली, अखिल गर्ग एवं आदेश श्रीवास्तव, जिला महासचिव तुषार साबू एवं डी.पी. सिंह, बोईसर मंडल अध्यक्ष रवि सिंह, रोहित सिंह सहित भाजपा के सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। साथ ही मीडिया जगत के पत्रकार बंधुओं ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

पालघर जिला परिषद में संविधान दिवस पर किया गया प्रस्तावना का सामूहिक वाचन

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार 26 नवंबर 2026 को जिला परिषद पालघर में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान में निहित आदर्शों, मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।



कार्यक्रम के दौरान प्रकाश हसनालकर ने भारतीय संविधान के निर्माण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उसके महत्व, नागरिकों के मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संविधान द्वारा दिए गये समानता, स्वतंत्रता, बंधुता और न्याय जैसे मूलभूत मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए नागरिक जीवन में इनके महत्व को समझाया। इस अवसर पर उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसलत, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सचिन कवठे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (मनरेगा) अतुल पारसकर, जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर, कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी, कार्यकारी अभियंता (निर्माण) संजय कुलकर्णी सहित जिला परिषद के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भिवंडी मनपा में संविधान दिवस पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को किया गया अभिवादन



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका मुख्यालय में गुरुवार को संविधान दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके के हाथों भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें अभिवादन किया गया। इसके साथ ही भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया गया। महानगरपालिका परिसर में स्थापित डॉ. आंबेडकर की पूर्णाकृति प्रतिमा पर अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके और उपायुक्त सपना वसावा ने पुष्पहार अर्पित किया। वहीं, पुरानी महानगरपालिका इमारत के सामने स्थित उनकी अर्धप्रतिमा पर सहायक आयुक्त विवेक उगले तथा अंजुरफाटा प्रभाग समिति क्रमांक-4 में स्थापित अर्धप्रतिमा पर सहायक आयुक्त अरविंद घुगरे ने पुष्पहार अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

यह आयोजन मनपा आयुक्त अनमोल सागर के निदेशानुसार किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त बालकृष्ण क्षीरसागर, शहर अभियंता जमील पटेल, अतिरिक्त शहर अभियंता सचिन नाईक, सहायक आयुक्त नितिन पाटिल, प्रशासनिक अधिकारी सौदागर शिखरे, समाज कल्याण विभाग प्रमुख मिलिंद पलसूले, उद्यान विभाग प्रमुख निलेश संखे, स्थापना विभाग प्रमुख दीपिका ठाकरे, कल्याणी चन्ने सहित मनपा के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

भिवंडी में ड्रेनेज मेनहोल की सफाई के दौरान दम घुटने से दो मजदूरों की मौत

- ठेकेदार पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आरोप
- सदोष मनुष्यवध का मामला दर्ज करने की मांग

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शहर के कामतघर स्थित फेणेपाड़ा इलाके में गुरुवार सुबह ड्रेनेज लाइन के मेनहोल की सफाई के दौरान दम घुटने से दो मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान सूरज अशोक धोत्रे (20) और शमशाद अब्दुल जब्बार मोमिन उर्फ अक्कू (55) के रूप में हुई है। इस हादसे के बाद ठेकेदार कंपनी की कार्यप्रणाली और मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भिवंडी शहर में ड्रेनेज लाइन बिछाने का काम ईगल इन्फ्रास्ट्रक्चर नामक ठेकेदार कंपनी कर रही है। कामतघर के फेणापाड़ा मार्ग पर ड्रेनेज लाइन चोकअप होने की शिकायत स्थानीय नगरसेवक कमलाकर पाटिल ने मनपा प्रशासन से की थी। इसके बाद मनपा के जलापूर्ति विभाग ने संबंधित ठेकेदार को ड्रेनेज लाइन की सफाई करने का पत्र दिया था। बताया जाता है कि ठेकेदार ने सफाई का



काम स्थानीय मजदूर शमशाद उर्फ अक्कू को सौंपा था। गुरुवार सुबह अक्कू अपने परिचित छह मजदूरों के साथ मौके पर पहुंचा और मेनहोल खोलकर सफाई शुरू की। इसी दौरान सूरज धोत्रे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के मेनहोल में उतर गया। अंदर जहरीली गैस के कारण उसका दम घुटने लगा। उसे बचाने के लिए अक्कू ने पहले एक अन्य मजदूर केशव को नीचे उतरने के लिए कहा, लेकिन वह डर गया। इसके बाद अक्कू स्वयं रस्सी के सहारे मेनहोल में उतर गया। हालांकि, वह भी जहरीली गैस की चपेट में आ गया और उसके हाथ से रस्सी छूट गई। देखते ही देखते दोनों मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। घटना की सूचना नगरसेवक कमलाकर पाटिल ने अग्निशमन दल को दी। इसके बाद अग्निशमन विभाग का आपातकालीन बचाव दल मौके पर पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद दोनों मजदूरों को बाहर निकाला। उन्हें सीपीआर देने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर भिवंडी शहर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और पंचनामा कर दोनों शवों को स्व. इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस हादसे का सबसे गंभीर पहलू यह है कि घटना के करीब एक घंटे बाद मनपा के आपातकालीन कक्ष और प्रशासन को इसकी जानकारी मिली। आरोप है कि ठेकेदार ने मेनहोल की सफाई के दौरान मजदूरों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए थे और उन्हें बिना सुरक्षा व्यवस्था के ही जानलेवा मेनहोल में उतार दिया गया। नगरसेवक कमलाकर पाटिल ने दोनों मजदूरों की मौत के लिए ईगल इन्फ्रास्ट्रक्चर ठेकेदार कंपनी को जिम्मेदार ठहराते हुए संबंधित ठेकेदार के खिलाफ सदोष मनुष्यवध का मामला दर्ज करने की मांग की है।

गायमुख से फाउंटेन होटल तक 60 मीटर चौड़ा होगा सड़क

- 150 करोड़ रुपये के भूमि अधिग्रहण का पूरा खर्च एमएमआरडीए उठाएगा
- मेट्रो-10 परियोजना के साथ सड़क का कंक्रीटीकरण भी होगा - परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। गायमुख से फाउंटेन होटल तक के महत्वपूर्ण मार्ग पर लंबे समय से जारी ट्रैफिक जाम, गड्ढों और दुर्घटनाओं की समस्या का स्थायी समाधान करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। वर्तमान में 30 मीटर चौड़ी इस सड़क को अब 60 मीटर चौड़ा किया जाएगा। साथ ही प्रस्तावित मेट्रो-10 परियोजना के साथ ही सड़क का कंक्रीटीकरण भी किया जाएगा। सड़क चौड़ीकरण के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण पर आने वाला करीब 150 करोड़ रुपये



का संपूर्ण खर्च मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) उठाएगा। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इस महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर परिवहन मंत्री एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि प्रताप सरनाईक ने एमएमआरडीए कार्यालय में विशेष बैठक आयोजित की। बैठक में गायमुख से फाउंटेन होटल मार्ग के बढ़ते महत्व तथा भविष्य में यातायात की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित मेट्रो-10 परियोजना के साथ सड़क को 30 मीटर से बढ़ाकर 60 मीटर चौड़ा करने और कंक्रीटीकरण का प्रस्ताव रखा गया। भविष्य में बढ़ने वाली वाहनों की संख्या और यातायात दबाव को देखते हुए सड़क चौड़ीकरण आवश्यक बताते हुए मंत्री सरनाईक ने इस परियोजना को प्राथमिकता से पूरा करने की मांग की। एमएमआरडीए आयुक्त संजय मुखर्जी ने प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए मेट्रो-10 परियोजना के साथ ही सड़क चौड़ीकरण और कंक्रीटीकरण का काम करने पर सहमति जताई। भूमि अधिग्रहण का 150 करोड़ रुपये का खर्च एमएमआरडीए करेगा।



उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जहाज की टक्कर से शाही पुल टूटने का एआई वीडियो वायरल, पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी

फेसबुक पेज 'सौरभ सहानी' से प्रसारित वीडियो को लेकर कोतवाली पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, एसआई आलोक त्रिपाठी की तहरीर पर कार्रवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर के ऐतिहासिक शाही पुल को पानी के बड़े जहाज की टक्कर से ढहते हुए



दिखाने वाला एआई जनित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के मामले में कोतवाली पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, उक्त भ्रामक वीडियो फेसबुक पर 'सौरभ सहानी' नाम के पेज से प्रसारित किया गया था।

प्राथिकी के अनुसार, 25 नवंबर को उपनिरीक्षक आलोक त्रिपाठी पुलिस बल के साथ कोतवाली क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान सोशल मीडिया निगरानी और सूत्रों से जानकारी मिली कि फेसबुक पेज 'सौरभ सहानी' से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का इस्तेमाल कर ऐतिहासिक शाही पुल का भ्रामक वीडियो तैयार कर प्रसारित किया गया है।

वायरल वीडियो में एक बड़े पानी के जहाज को शाही पुल से टकराते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद पुल को ध्वस्त होकर गिरते हुए दर्शाया गया है। पुलिस तहरीर में वीडियो को असत्य और भ्रामक बताते हुए आरोप लगाया गया है कि इसे जनमानस में सनसनी और भय फैलाने के उद्देश्य से प्रसारित किया गया। इससे लोगों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होने और ऐतिहासिक धरोहर की छवि प्रभावित होने की आशंका जताई गई है।

उपनिरीक्षक आलोक त्रिपाठी की तहरीर पर फेसबुक पेज के अज्ञात संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक संतोष कुमार यादव को सौंपी गई है।

शादी समारोहों पर पुलिस की नजर, मैरिज लॉन के आसपास बढ़ाई गई निगरानी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वर्तमान में चल रहे वैवाहिक सीजन के मद्देनजर जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजनमानस की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जौनपुर पुलिस ने मैरिज लॉन एवं उनके आसपास व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए हैं। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर विभिन्न स्थानों पर पुलिस की सतर्कता बढ़ाई गई है, ताकि शादी समारोहों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। पुलिस द्वारा मैरिज लॉन एवं आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी और कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इस संबंध में सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी गोल्डी गुप्ता ने बाइट के माध्यम से पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था एवं किए गए प्रबंधों की जानकारी दी।

विज्ञान संकाय के चार विभागों में नए विभागाध्यक्ष नियुक्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारु बनाने के उद्देश्य से विज्ञान संकाय के चार विभागों में नए विभागाध्यक्षों की नियुक्ति की गई है।

कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर कुलसचिव की ओर से 21 नवंबर 2026 को जारी कार्यालय आदेश के अनुसार प्रो.राजेश शर्मा को वनस्पति विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग, प्रो. राम नारायण को प्राणी विज्ञान विभाग, डॉ.श्रीप्रकाश तिवारी को माइक्रोबायोलॉजी विभाग तथा डॉ. मनीष कुमार गुप्ता को बायोकैमिस्ट्री विभाग का विभागाध्यक्ष नामित किया गया है। सभी नियुक्तियां आदेश जारी होने की तिथि से तीन वर्ष अथवा अग्रिम आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेंगी। इन नियुक्तियों से संबंधित विभागों में अकादमिक गतिविधियों एवं प्रशासनिक कार्यों के संचालन को नई गति मिलने की उम्मीद है।

राजा बाजार रोड पर बिजली का तार नीचे लटका

ग्रामीणों ने मरम्मत की मांग की, सड़क से रोज गुजरते हैं हजारों वाहन और राहगीर

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राजा बाजार रोड पर बिजली का तार नीचे लटकने से हादसे का खतरा है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से तार की मरम्मत कराने की मांग की है। सड़क से रोजाना हजारों वाहन और राहगीर गुजरते हैं। राजा बाजार में सड़क किनारे बिजली के खंभे पर लगा तार टूटकर नीचे लटक गया है। ग्रामीणों के मुताबिक, खंभे पर लगा चीनी मिट्टी का इंसुलेटर टूटने से तीन में से एक तार नीचे आ गया है। बाकी दो तार सही स्थिति में हैं। सड़क से रोज दोपहिया और चारपहिया वाहन गुजरते हैं। पास की नहर पर खेती के काम से ट्रैक्टर-ट्रॉली में सामान लेकर जाने वाले किसानों को भी परेशानी हो रही है। नीचे लटके तार के कारण ऊंचाई पर सामान लादकर ट्रैक्टर-ट्रॉली निकालना मुश्किल है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग ने समय रहते ध्यान नहीं दिया तो दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने अधिकारियों से मौके पर पहुंचकर टूटे इंसुलेटर और तार की मरम्मत कराने की मांग की है।संजय, रामफेर, राकेश, दिनेश, शमशेर अली, मंगरू, ललन और बंशीधर सहित अन्य ग्रामीणों ने जल्द मरम्मत कराने की मांग की।

आग से परिवार की गृहस्थी जली, ग्रामीणों और समूह सखियों ने दिया राशन-कपड़े और आर्थिक मदद

सिंगरामऊ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के महमूदपुर गांव में गुरुवार सुबह आग लगने से किरण पत्नी सरजू विश्वकर्मा की गृहस्थी का सामान जल गया। आग लगने का कारण पता नहीं चला। घर में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन और अन्य सामान नष्ट हो गया। घटना की सूचना मिलने पर ग्राम प्रधान संजय प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिवार को मदद का भरोसा दिया और



हल्का लेखपाल शैलेंद्र कुमार मिश्रा से संपर्क कर राजस्व विभाग की जरूरी कार्रवाई करने को कहा।किरण स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं। समूह सखी पूर्णिमा शर्मा के नेतृत्व में समूह की महिलाओं ने परिवार को राशन, कपड़े और आर्थिक मदद दी। उन्होंने कहा कि परिवार के रहने के लिए छांव की व्यवस्था भी की जा रही है।इस मदद में गायत्री, सावित्री, अमरावती, लल्ली, शुभांगी और कलावती सहित अन्य समूह सखियां शामिल रहीं। गांव के मनीष यादव, बड़े लाल विश्वकर्मा, धर्मेंद्र और अन्य ग्रामीण भी परिवार की मदद कर रहे हैं। ग्राम प्रधान संजय सिंह ने बताया कि परिवार तक मदद पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि घटना की सूचना पुलिस को भी दी जा रही है, ताकि जरूरी कार्रवाई हो सके।

6 यूनिट की बाध्यता समाप्त हो, हर जरूरतमंद को मिले आयुष्मान योजना का लाभ: विनय जायसवाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश सचिव एवं जिला अध्यक्ष जौनपुर विनय जायसवाल ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद परिवार तक पहुंचाने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राशन कार्ड में न्यूनतम 6 यूनिट की बाध्यता के चलते अनेक गरीब एवं जरूरतमंद परिवार आयुष्मान कार्ड की सुविधा से वंचित रह जा रहे हैं।

विनय जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि राशन कार्ड में 6 यूनिट की बाध्यता को समाप्त अथवा कम किया जाए, ताकि कम सदस्यों वाले गरीब परिवारों को भी पात्रता के आधार पर आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल सके।

इस अवसर पर नगर अध्यक्ष नीरज यादव एवं जिला महासचिव मनीष सिंह ने कहा कि इलाज का अधिकार परिवार के सदस्यों की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी जरूरत और पात्रता के आधार पर मिलना चाहिए। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ समाज



के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए, जिससे आर्थिक अभाव में किसी जरूरतमंद को इलाज से वंचित न रहना पड़े।

कार्यक्रम में जिला महासचिव मनीष सिंह, जिला मंत्री चंद्रेश जायसवाल, जिला महामंत्री अंकित मौर्य, जिला संरक्षक राज जायसवाल, जिला प्रभारी अमित गुप्ता, जिला सलाहकार रितेश मोदनवाल, नगर अध्यक्ष नीरज यादव, तहसील अध्यक्ष मोतीलाल सोनी, जिला पत्रकार संदीप यादव, नगर महामंत्री कृष्णा राय, ब्लॉक प्रभारी राजेश यादव, विपिन चौरसिया एडवोकेट, साकिब हसन एडवोकेट, तहसील सचिव अरुण सोनी, ब्लॉक प्रभारी संजय कुमार गुप्ता, सुनील कुमार साहू, नगर उपाध्यक्ष नीरज सेठ, मंशा देवी सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस के आश्वासन पर 40 घंटे बाद परिजनों ने शव का किया अंतिम संस्कार

पीड़ित परिवार राजाबाजार मार्ग पर शव रखकर 2 घंटे लगाया था जाम, कार्यवाही के आश्वासन पर घंटों बाद जाम खुला

दिलशाद अहमद सानू

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के राजपुर रुखार गांव निवासी एक युवक की बीते मंगलवार संदिग्ध परिस्थितियों में





मौत हो गई थी । पीड़ित ने जनरेटर डेकोरेशन मालिक के खिलाफ हत्या का आरोप लगाया और गुरुवार राजाबाजार मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। पुलिस प्रशासन के आश्वासन पर घंटों बाद जाम समाप्त हुआ ।

मृतक के पिता रामफेर यादव ने बताया कि उनका 28 वर्षीय पुत्र विनोद यादव लाइट जनरेटर पर मजदूरी करता था मंगलवार प्रदीप विश्वकर्मा के के लगन पर डेकोरेशन का काम करने बक्सा थाना क्षेत्र के औका गांव गया था जहा कार्य क्रम के दौरान लाइट डेकोरेशन का काम कर रहा था जिसकी मौत हो गई थी मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव घर लेकर आए। बुधवार सुबह राजाबाजार मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। जनरेटर डेकोरेशन मालिक के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग किया। वही जाम से घंटो आवागमन रुका रहा। पुलिस के समझाने बुझाने पर दो घंटे बाद जाम समाप्त हुआ।

मामले में दोनों पक्षों में सुलह समझौते की बातचीत भी हो रही थी। वही पुलिस ने कार्यवाही का आश्वासन देते हुए जाम हटवाया। जिसके 40 घंटे बाद पीड़ित परिवार पिलकिछा घाट पर शव का अंतिम संस्कार किया। इस संबंध में सब स्पेक्टर मुरलीधर ने बताया कि अंतिम संस्कार के बाद मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही होगी।

केस सुलझाने के लिए साइबर फॉरेंसिक की समझ जरूरी: कुलपति

संविधान दिवस पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विधि संस्थान में कार्यक्रम, शिक्षकों व छात्रों ने ली शपथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के मूट कोर्ट में संविधान दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने शिक्षकों व विद्यार्थियों को संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई।

छात्रों को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि संविधान हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है और इसके मूल्यों को जीवन में उतारना आवश्यक है। बढ़ते साइबर अपराधों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि आज के दौर में पारंपरिक धाराओं के साथ-साथ साइबर लॉ और साइबर फॉरेंसिक की समझ विधिक व्यवस्था की अनिवार्य मांग बन चुकी है। डिजिटल साक्ष्यों और फॉरेंसिक तकनीकों में दक्षता से छात्र मामलों की तह तक जाकर उन्हें अधिक सटीकता व तेजी से सुलझा सकेंगे। तकनीक के इस युग में साइबर फॉरेंसिक विधि



छात्रों के लिए ज्ञान और सफलता की नई राहें खोल रहा है।

कुलसचिव विनोद कुमार सिंह ने कहा कि संविधान देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक परंपराओं का सशक्त आधार है। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्श समाज को दिशा देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति सजग रहकर राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुरा मिश्र ने किया। इस दौरान प्रो. देवराज सिंह, प्रो. गिरधर मिश्र, डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. राहुल राय, डॉ. रजित राम सोनकर, डॉ. अंकित कुमार, डॉ. राजन तिवारी, डॉ. आश्रेया दुबे, डॉ. विपिन सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. शुभम सिंह और डॉ. प्रियंका कुमारी सहित संकाय सदस्य व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

एमएलसी लाल बिहारी यादव ने दो शिक्षाविदों को दी श्रद्धांजलि

सरिता इंटर कॉलेज के गौरी शंकर यादव और भीमराव अंबेडकर इंटर कॉलेज के रामचंद्र यादव को किया याद

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के जन्नौर स्थित सरिता इंटर कॉलेज के प्रबंधक और संस्थापक गौरी शंकर यादव के निधन की सूचना पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष और शिक्षक एमएलसी लाल बिहारी यादव पहुंचे। उन्होंने गौरी शंकर यादव को श्रद्धांजलि दी। लाल बिहारी यादव ने कहा कि उनकी कार्यकुशलता और शिक्षा के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणा है। इस दौरान पूर्व मंत्री संगीता यादव, श्याम नारायण बिन्द, नन्हकऊ गुप्ता, पूर्व जिला पंचायत सदस्य उदय राज यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख अभय राज यादव, जयंती यादव, दिनेश यादव और रामजस पटेल समेत कई लोग मौजूद रहे।



किया जाएगा। उन्होंने भीमराव अंबेडकर इंटर कॉलेज के संस्थापक और प्रबंधक रामचंद्र यादव को भी श्रद्धांजलि दी। लाल बिहारी यादव ने

संविधान दिवस पर आयोजित हुआ सामुदायिक चौपाल



संविधान दिवस पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिलाई गई संविधान की प्रस्तावना की शपथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संविधान दिवस के अवसर पर आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानन्द झा की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कलेक्ट्रेट के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक रूप से पाठ कराते हुए संविधान के प्रति निष्ठा एवं उसके मूल आदर्शों को आत्मसात करने की शपथ दिलाई गई।

इस दौरान सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष एवं लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाए रखने तथा सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म एवं उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा एवं अवसर की समता सुनिश्चित करने के



संवैधानिक मूल्यों के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे। साथ ही प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा तथा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने के लिए बंधुता की भावना को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा देखा एवं सुना गया। इसी क्रम में जनपद की समस्त तहसीलों एवं विकास खंडों में भी संविधान दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया। विभिन्न कार्यालयों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का पाठ कर संविधान में निहित आदर्शों, मूल्यों एवं कर्तव्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, नगर मजिस्ट्रेट महिपाल सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।



जितेन्द्र कनोजिया पत्रकार

थानागद्दी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के थाना गद्दी स्थित तिसिया बनवासी समुदाय बस्ती में संविधान दिवस के अवसर पर सामुदायिक चौपाल का आयोजन फेलो नीरा आर्य की अध्यक्षता में की गई, सामुहिक चौपाल संविधान की प्रस्तावना के वाचन के साथ प्रारंभ किया गया, तत्पश्चात ग्रामीणों के साथ संवैधानिक मूल्यों, न्याय, स्वतंत्रता,समानता और बंधुता पर सरल और स्थानीय भाषा में संवाद किया गया।चौपाल में महिलाओं ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि अब तक उन्हें संविधान के बारे में किसी ने नहीं बताया था,आज उन्हें पता चला कि संविधान ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।इस दौरान महिलाओं ने अपने अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में सवाल पूछे जिनका मौके पर ही समाधान किया गया।कार्यक्रम के अंत में मौजूद लोगों संकल्प लिया कि वे संविधान का सम्मान करेंगे और अपने अधिकारों को जानेंगे और गाँव में एकता और भाईचारा बनाए रखेंगे। इस अवसर पर बनवासी समाज की महिलाएं,समूह सखियों के साथ ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में संविधान गौरव दिवस-2026 का गरिमामय आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में संविधान गौरव दिवस-2026 के अवसर पर गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह एवं भाजपा जिला महामंत्री अजय सिंह की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के स्वागत एवं अभिनंदन से हुआ। अपने स्वागत संबोधन में प्रधानाचार्य ने महाविद्यालय की शैक्षणिक, चिकित्सकीय एवं आधारभूत संरचनात्मक व्यवस्थाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने महाविद्यालय के निर्माण कार्यों की प्रगति, उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, एम0बी0बी0एस0 विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों तथा इंटर्नशिप प्रशिक्षण की व्यवस्था से अतिथियों को अवगत कराया।

प्रधानाचार्य ने महाविद्यालय के निर्माण कार्यों एवं आधारभूत संरचनाओं के विकास में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरीश चन्द्र यादव के विशेष योगदान एवं निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने यह भी बताया कि महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय में इमरजेंसी, मेडिसिन, सर्जरी एवं अन्य विभागों के अंतर्गत लगभग 140 बेड की उपलब्धता है। इसके अतिरिक्त आथोर्पेडिक्स, ई0एन0टी0 एवं सर्जरी सहित विभिन्न विभागों में ऑपरेशन थिएटर की सुविधाओं तथा प्रतिदिन लगभग 3000 मरीजों की ओ0पी0डी0 के माध्यम से प्रदान की जा रही चिकित्सा सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने महाविद्यालय के निर्माण एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास से संबंधित प्रगति तथा भविष्य में आवश्यक सुधारों की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। साथ ही महाविद्यालय को और अधिक सुदृढ़ एवं सुविधासंपन्न बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों से सहयोग एवं मार्गदर्शन की अपेक्षा व्यक्त की।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर ने अपने संबोधन में कहा कि राज्यसभा सांसद के रूप में यह उनका प्रथम दिन है और इस विशेष अवसर पर चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में संविधान गौरव दिवस के कार्यक्रम में



सम्मिलित होना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने चिकित्सकों के कठिन परिश्रम, समर्पण एवं सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि चिकित्सा का क्षेत्र अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। चिकित्सक वर्षों की कठिन शिक्षा, प्रशिक्षण एवं निरंतर परिश्रम के बाद इस मुकाम तक पहुंचते हैं। इसलिए चिकित्सकों के सम्मान एवं उनके कार्यों के प्रति समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखना हम सभी का दायित्व है।

उन्होंने सामाजिक व्यवहार, पारस्परिक सम्मान एवं बदलते समय में संवाद की भाषा और तौर-तरीकों में आए बदलावों का उल्लेख करते हुए मोबाइल एवं आधुनिक तकनीक के बढ़ते प्रभाव पर भी अपने विचार व्यक्त किए। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण, संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ0 भीमराव आंबेडकर के योगदान, संविधान की प्रस्तावना तथा भारतीय संसद के उच्च सदन (राज्यसभा) एवं निम्न सदन (लोकसभा) की संवैधानिक भूमिका के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित लोगों को संविधान के मूल आदर्शों एवं मूल्यों के प्रति जागरूक रहने तथा उनके पालन का संकल्प भी दिलाया।

विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने अपने संबोधन में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की ऊर्जा, उत्साह एवं प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि चिकित्सा का क्षेत्र मानव सेवा से जुड़ा हुआ है। यहां अध्ययनरत विद्यार्थी भविष्य में अपनी योग्यता, ज्ञान एवं सेवा भावना के माध्यम से न केवल जनपद एवं प्रदेश, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का गौरव बढ़ाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपने शैक्षणिक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो0 (डा0) ए0ए0 जाफरी ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों एवं उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का सम्मानपूर्वक अभिनंदन करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम का आयोजन करने वाले कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डा0 मुदित चौहान एवं संचालन करने वाली डा0 पूजा पाठक एवं अन्य सहयोगी चिकित्सक व कर्मचारी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन संविधान के मूल्यों, लोकतांत्रिक आदर्शों एवं राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध को आत्मसात करने के संदेश के साथ हुआ।

इस अवसर पर चीफ प्राक्टर प्रो0 रूचिरा सेठी, डीन एकेडमिक प्रो0 तबस्सुम यासमिन , प्रो0 भारती यादव, प्रो0 साधना अजय, डा0 कर्नल सी0बी0एस0 पटेल, डा0 विनोद कुमार, डा0 अनुज सिंह, डा0 अरविन्द पटेल, डा0 राजश्री यादव, डा0 चन्द्रभान , डा0 जितेन्द्र कुमार, डा नवीन सिंह, डा0 आशुतोष सिंह, डा0 अरविन्द यादव, डा0 कुलदीप गुप्ता, डा0 अजय, डा0 प्रतिभा सिंह, डा0 प्रियंका सिंह, डा0 अर्चना चौधरी, डा0 अवधेश गुप्ता, डा0 फरहत फातिमा, डा0 अनिल कुमार, डा0 पंकज, डा0 राजेश, डा0 दीपक कुमार, डा0 संदीप सिंह एवं अन्य चिकित्सक, छात्र छात्राएं व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

द्विवेश मिश्रा ने धिरेंद्र शास्त्री महाराज से लिया आशीर्वाद



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर विकास खंड सुजानगंज पोस्ट मधुपुर , ग्राम रोहियांव निवासी द्विवेश विजय चंद मिश्रा (छोटू मिश्रा) ने प्रतापगढ़ कुंडा पहुंच कर बागेश्वर धाम बालाजी सरकार के परम पुज्य धिरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। धिरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि शिक्षा जगत में नाम रोशन करने के साथ साथ परिवार तथा समाज के कल्याण हेतु कार्य करेंगे , संस्कृति सनातन धर्म के लिए सदैव तत्पर रहते हुए सहयोग करते रहेंगे मेरा यही आशिर्वाद है। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री सरकार ने आगे कहा कि हम सब में भरी राग , द्वेष , ईर्ष्या , महत्वाकांक्षा दूर हो , अंधेरा अनुशासन मयार्दा त्याग का प्रकाश भरपूर हो ,मानवता हमेशा जीवंत रहे इसे ग्रहण कर लो यही आशिर्वाद है। बता दें द्विवेश मिश्रा उर्फ छोटू मिश्रा दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के भतीजे है। पत्रकार अवधेश मिश्रा रिक्की के मामा के लड़के हैं।

नवी मुंबई स्ट्रीट रेसः रोजगार, युवाओं के सपने और शहरी विकास को रफ्तार



नवी मुंबई। जैसे-जैसे युवा दर्शकों के बीच मोटरस्पोर्ट में दिलचस्पी बढ़ रही है, वैसे ही 5झ6 दिसंबर, 2026 को नवी मुंबई में होने वाली आगामी इंडियन रेसिंग फेस्टिवल (आईआरएफ) स्ट्रीट रेस यह समझने का मौका देती है कि यह खेल रेसट्रैक से आगे बढ़कर शहर को कैसे फायदा पहुंचा सकता है। रोजगार के अवसर बनाने और स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करने से लेकर करियर के नए सपने जगाने तक, बड़े खेल आयोजन शहरी समुदायों के लिए व्यापक आर्थिक और सामाजिक अवसर पैदा कर सकते हैं।

युवा निवासियों के लिए मोटरस्पोर्ट में गति, तकनीक, इंजीनियरिंग और प्रतिस्पर्धा का मेल देखने को मिलता है। इस खेल के प्रति अधिक जुड़ाव युवाओं को ड्राइविंग से आगे बढ़कर ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग, वाहन डिजाइन, डेटा एनालिसिस, इवेंट मैनेजमेंट और स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टिंग जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रेरित कर सकता है। नवी मुंबई के निवासी और मोटरस्पोर्ट प्रेमी मितेश करमचंदानी ने कहा, ह्लज्यादातर युवा अंतरराष्ट्रीय खेलों को ऑनलाइन देखते हैं, लेकिन अपने घर के पास अलग-अलग खेलों को करीब से देखने से वे उनसे आसानी से जुड़ पाते हैं। मोटरस्पोर्ट युवाओं को नई रुचियों और करियर, खासकर इंजीनियरिंग और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकता है। नवी मुंबई के पाम बीच रोड के पास कैफे चलाने वाले राजू पेडणेकर, जिन्हें इस आयोजन के दौरान ग्राहकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है, ने कहा, ऐसे आयोजनों से स्थानीय व्यवसायों को अधिक ग्राहक मिल सकते हैं और छोटे उद्यमों को नए लोगों तक पहुंचने का मौका मिलता है। स्थानीय विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं की अधिक भागीदारी से पूरे समुदाय को लाभ मिल सकता है।

प्लैटिनम लव बैंड्स ने अपना नया कलेक्शन पेश किया



मुंबई। 'प्लैटिनम लव बैंड्स' ने अपना नया कलेक्शन पेश किया है। यह कलेक्शन उन पलों, इशारों और साझा अनुभवों से प्रेरित है, जिनके जरिए दो लोग आपस में एक खास रिश्ता बनाते हैं। प्यार को एक निरंतर आगे बढ़ती यात्रा के रूप में देखते हुए, यह कलेक्शन दिखाता है कि कैसे परवाह, समझ और साथ मिलकर रहना, एक नई शुरूआत को एक बेहद निजी कहानी में बदल देता है। अरेंज मैच से शुरू होने वाले रिश्तों में, अक्सर छोटे-छोटे इशारे ही किसी काम की बात की नींव रखते हैं - कोई सोचने वाला सवाल, साथ में हंसी-मजाक, कोई याद की गई बात या एक-दूसरे के लिए मौजूद होने का शांत भरोसा। जब दो लोग एक-दूसरे को जानने के सफर से आगे बढ़कर साथ मिलकर जीवन बनाने की ओर कदम बढ़ाते हैं, तो ऐसे पल उनके बीच एक ऐसा खास जुड़ाव पैदा करते हैं जो पूरी तरह से उनका अपना होता है।

यह नया कलेक्शन साथ रहने के अहसास को बहुत ही सोच-समझकर बनाए गए 'प्लैटिनम लव बैंड्स' के रूप में पेश करता है। हर डिजाइन एक साझा सफर के अलग-अलग पहलुओं को दर्शाता है—चाहे वह दो अलग-अलग रास्तों का एक दिशा में मिलना हो, या बिना कुछ कहे एक-दूसरे को समझ लेने का सुकून। नक्काशीदार लाइनें, फ़्लूइड फॉर्म, ज्योमेट्रिक पैटर्न और इनफि निटी मोटिफ इन कहानियों में जान डाल देते हैं, और दिखाते हैं कि कैसे दो लोग अपनी लय पाते हैं, करीब आते हैं और एक साथ भविष्य की कल्पना करते हैं। प्लैटिनम गिल्ड इंटरनेशनल में ग्लोबल मार्केट डेवलपमेंट की हेड और इंडिया व मिडिल ईस्ट की मैनेजिंग डायरेक्टर, वैशाली बनर्जी ने कहाः 'प्लैटिनम लव बैंड्स' ने प्यार के जश्न में प्लैटिनम के लिए एक खास जगह बनाई है, जिससे कपल्स को अपने प्यार के पल को सेलिब्रेट करने के लिए एक कीमती निशानी मिली है। यह कलेक्शन उसी सफर को आगे बढ़ाता है और शादी-ब्याह के क्षेत्र में हमारी अहमियत को और मजबूत करता है, खासकर तब जब जोड़े एक नए रिश्ते में प्यार की शुरूआत कर रहे होते हैं। हर एक 'लव बैंड' जोड़े के साथ रहने के अहसास को रोज पहनने लायक आधुनिक डिजाइनों में ढालता है। प्लैटिनम की दुर्लभता और इसकी बेजोड़ मजबूती उनके वादे (कमिटमेंट) को एक गहरा और स्थायी अर्थ देती है।

जौनपुरः कोतवाली पुलिस ने पिस्टल, नौ कारतूस, मोबाइल फोन बरामद कर एक को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध नियंत्रण और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध पिस्टल, नौ जिंदा कारतूस और मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देशन में, पुलिस अधीक्षक नगर अनन्त चन्द्रशेखर के निर्देश तथा सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी के पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान 26 नवंबर को छोटी लाइन, शहाबुद्दीनपुर के पास पुलिस टीम ने अंकित मौर्या पुत्र राकेश मौर्या, निवासी सरोखनपुर, थाना बदलापुर, जौनपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार व्यक्ति के कब्जे से .32 बोर की एक पिस्टल, 7.65 KF के नौ जिंदा कारतूस और सैमसंग कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर थाना कोतवाली में मुकदमा संख्या 295/26, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की कार्रवाई कर रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अशोक सिंह, चौकी प्रभारी भंडारी उपनिरीक्षक जयदीप, उपनिरीक्षक समाकान्त यादव, हेड कांस्टेबल समीम अख्तर, कांस्टेबल कुँवर अविनाश सिंह और कांस्टेबल जितेन्द्र चौरसिया शामिल रहे।

जौनपुरः घर से निकला 16 वर्षीय किशोर रहस्यमय ढंग से लापता, अपहरण का मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय किशोर के अचानक लापता होने से परिजनों में हड़कंप मचा हुआ है। घर से निकला किशोर दो दिन बाद भी वापस नहीं लौटा। रिश्तेदारों और संभावित ठिकानों पर तलाश के बावजूद कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई। पुलिस ने मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मोहिउद्दीनपुर गांव निवासी विपिन यादव पुत्र स्व. राजेन्द्र प्रसाद यादव ने बुधवार को जफराबाद थाने में तहरीर देकर बताया कि उनका 16 वर्षीय भतीजा प्रांजल यादव पुत्र अरविन्द यादव मंगलवार 24 नवंबर की शाम करीब सात बजे घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा।

खेलों से बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व और आत्मविश्वास का होता है विकास : गिरीश चंद्र यादव



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बेसिक शिक्षा विभाग जौनपुर के तत्वावधान में जनपद स्तरीय दो दिवसीय 48वीं बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक समारोह का गुरुवार को बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने ध्वजारोहण, मशाल प्रज्वलन तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन समारोह में जनपद के विभिन्न विकास खंडों से पहुंचे छात्र-छात्राओं ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिवादन किया। बच्चों के उत्साह और अनुशासन ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि श्री गिरीश चंद्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह संवेदनशील है। सरकार की ओर से प्रत्येक विद्यालय में 45 मिनट का खेल अनिवार्य किया गया है, ताकि बच्चों को पढ़ाई के साथ खेलकूद के लिए भी पर्याप्त अवसर मिल सके।

इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में जनपद के सभी विकास खंडों से चयनित बालक एवं बालिका प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रतियोगिता के दौरान कबड्डी, खो-खो, दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। वहीं लोकगीत, लोकनृत्य, समूह गान, नाटक सहित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भी बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग का उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़कर उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास करना है। ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करती हैं और उनमें प्रतिस्पर्धा के साथ आपसी सहयोग की भावना भी विकसित करती हैं।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। दर्शकों ने भी बच्चों की खेल प्रतिभा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना की। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता टीमों एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही मंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए जनपद के विजेता खिलाड़ियों एवं टीमों का चयन किया जाएगा। इस अवसर पर सभी जिला समन्वयक, खंड शिक्षा अधिकारी, बसंत शुक्ला, अजय कुमार, विंध्यवासिनी उपाध्याय, शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी, एसआरजी, एआरपी, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन खंड शिक्षा अधिकारी रमेश चंद्र पटेल, शैलेश चतुवेर्दी एवं नूपुर श्रीवास्तव ने किया।

जलालपुर पुलिस ने पशु क्रूरता में चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर पुलिस ने थाना क्षेत्र में गोवध और पशु क्रूरता से जुड़े मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, थाना जलालपुर और एसओजी की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को हिरासत में लिया है।

मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार अपराध की रोकथाम और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक नगर अनंत चंद्रशेखर के दिशा-निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष शिवानंद सिसोदिया के नेतृत्व में जलालपुर पुलिस और एसओजी की टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रेहटी तुल्लापुर गांव निवासी अमरनाथ यादव उर्फ क्षमानाथ यादव, आकाश यादव, विशाल यादव और सर्वेश कुमार प्रजापति के रूप में हुई है। इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 111(2)(B), गोवध निवारण अधिनियम की धारा 3²5E²8 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत कार्रवाई की गयी है।

पुलिस की ओर से जारी आपराधिक इतिहास के अनुसार, अमरनाथ यादव उर्फ क्षमानाथ यादव के खिलाफ वर्ष 2020 से 2026 तक गोवध निवारण अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट और भारतीय न्याय संहिता सहित विभिन्न धाराओं में कुल छह मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्तमान मामला भी शामिल है। सर्वेश कुमार प्रजापति के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत वर्ष 2023 और 2025 में दो मुकदमे दर्ज होने का उल्लेख पुलिस ने किया है। आकाश यादव और विशाल यादव के आपराधिक इतिहास में वर्तमान मुकदमे का ही उल्लेख है।

डांस करते वक्त सेना के जवान को आया हार्टअटैक

मेरठ (उत्तरशक्ति)। सहारनपुर के नागल क्षेत्र में चचेरे भाई की शादी में शामिल होने आए सेना के जवान दुष्यंत कुमार (32) की डांस करते समय हार्टअटैक से मौत हो गई। मंगलवार रात वह पत्नी के साथ बरात में डांस कर रहे थे, तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वह गिर पड़े। परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जवान की अचानक मौत से शादी समारोह की खुशियां मातम में बदल गईं। नागल थाना क्षेत्र के गांव पनियाली कासिमपुर निवासी दुष्यंत कुमार कुछ दिन पहले ही छुट्टी लेकर गांव आए थे। मंगलवार रात उनके चाचा रणपाल के बेटे देव की शादी का समारोह नागल स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित किया गया था। बरात नागल के ताजपुर निवासी लड़की पक्ष की ओर से आयोजित समारोह में पहुंची थी। दुष्यंत भी पत्नी के साथ शादी में शामिल हुए थे। समारोह के दौरान वह पत्नी के साथ डांस कर रहे थे। इसी बीच अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह गिर पड़े। परिजन उन्हें तुरंत सहारनपुर के अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने हार्टअटैक आने की बात कहते हुए उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दुष्यंत कुमार दिल्ली कैंट स्थित सेंट्रल ऑर्डिनेंस डिपो (सीओडी) में एसकेटी क्लर्क के पद पर तैनात थे। ग्राम प्रशासक पति पवित्र सिंह ने बताया कि दुष्यंत करीब 12 वर्ष पहले सेना में भर्ती हुए थे। वर्तमान में उनकी तैनाती दिल्ली में थी। करीब पांच वर्ष पहले उनकी शादी हुई थी। अभी उनकी कोई संतान नहीं थी।

घटना की सूचना मिलते ही सेना के अधिकारी भी गांव पहुंच गए। सैन्य प्रक्रिया पूरी करने के लिए जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री कुंवर बृजेश भी गांव पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी। सीओ देवबंद अमित सिंह ने बताया कि जवान की मौत की जानकारी संबंधित सैन्य अधिकारियों को दे दी गई है।

दुष्यंत की अचानक मौत से परिवार में कोहराम मच गया। जिस घर में शादी की खुशियां मनाई जा रही थीं, वहां मातम छा गया। परिजनों और रिश्तेदारों के लिए इस घटना से उबरना मुश्किल हो गया। देर रात फेरे समेत शादी की अन्य रस्में दुखी मन से पूरी की गईं। इसके बाद दुल्हन की विदाई हुई। देर शाम जवान का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

दबंगों ने युवक को पीटा, 22 हजार रुपया गायब,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के सेवईनाला बाजार में पुरानी रंजिश को लेकर तीन युवकों ने एक युवक को लाठी-डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। मारपीट के दौरान पीड़ित के जेब से 22 हजार रुपये गिरकर खो गए। तहरीर मिलने पर पुलिस ने तीन आरोपियों के विरुध्द मारपीट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। क्षेत्र के किरतापुर गांव निवासी संजय सोनकर पुत्र सूर्यबली सोनकर को 22 नवंबर रविवार की रात करीब 10 बजे वह सेवईनाला बाजार में स्थित शराब की दुकान के बगल से गुजर रहे थे। तभी पुरानी रंजिश को लेकर कमरुद्दीनपुर गांव निवासी गणेश सोनकर, मनीष सोनकर और मोनू ने गाली-गलौज देते हुए लाठी-डंडा से मारना शुरू कर दिया।

आरोप है कि मारपीट के दौरान संजय सोनकर का 22 हजार रुपया नकद जेब से गिर गया। काफी खोजबीन के बाद पैसे नही मिले।पीड़ित संजय सोनकर की तहरीर पर पुलिस ने 25 नवंबर बुधवार को आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर लिया। थानाध्यक्ष कमलनयन दुबे ने बताया कि दोनों पक्षों में पहले से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था, फिर भी पीड़ित संजय सोनकर का मेडिकल मुआयना कराकर तीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच-पड़ताल की जा रही है।

मिन्फी और ए.डब्ल्यू.एस ने विश्व के लिए अपना रणनीतिक सहयोग समझौता 2031 तक बढ़ाया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। एप्लाइड ए.आई एवं टेक्नोलॉजी सर्विसेज कंपनी और अमेजन वेब सर्विसेज (ए.डब्ल्यू.एस) प्रीमियर टियर सर्विसेज पार्टनर, मिन्फी ने आज ए.डब्ल्यू.एस के साथ अपने पाँच साल के ग्लोबल स्ट्रैट्जिक कोलैबोरेशन एग्रीमेंट (एस.सी.ए) की घोषणा की। इस एस.सी.ए में निर्धारित किए गए लक्ष्य पिछले एस.सी.ए के मुकाबले तीन गुना हैं, जिस पर इन दोनों कंपनियों ने मार्च, 2024 में दस्तखत किए थे। साथ ही, इस समझौते का दायरा भारत और अमेरिका से बढ़ाकर पूरी दुनिया में मिन्फी के बिजनेस तक कर दिया गया है। यह समझौता ग्लोबल एंटरप्राइज ए.आई एडॉप्शन की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर पर किया गया है। ए.आई की स्थिति पर मैकिंसे



2026 ग्लोबल सर्वे के मुताबिक हर दस में से लगभग नौ संगठन अपने बिजनेस के कम से कम एक काम के लिए ए.आई का उपयोग नियमित तौर से करते हैं। इसके बाद भी लगभग दो-तिहाई संगठनों ने पूरे एंटरप्राइज में इसका विस्तार करने की शुरूआत अभी तक नहीं की है। यह अंतर इच्छा या टेक्नोलॉजी की वजह से नहीं है। बल्कि, यह ए.आई को ऐसे कामों के लिए बदलने की जरूरत की वजह से है, जो बिजनेस में हर रोज बड़े स्तर पर भरोसेमंद नतीजे दे सके। इस समझौते के अंतर्गत, मिन्फी और ए.डब्ल्यू.एस बाजार में मिलकर काम करेंगे और उन सेक्टर्स में ए.डब्ल्यू.एस पर इंडस्ट्री सॉल्यूशंस एवं प्लेटफॉर्म्स का विकास करेंगे, जिनमें मिन्फी सेवाएं देता है। इनमें एयरोस्पेस, मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स, फाइनेंशियल सर्विसेज, इंश्योरेंस, मीडिया एवं एंटरटेनमेंट, हेल्थकेयर और पब्लिक सेक्टर शामिल हैं। ए.डब्ल्यू.एस के माध्यम से ए.आई एवं क्लाउड सर्विसेज पूरे विश्व में पहुँचेंगी, वहीं, मिन्फी के पास डिलीवरी इंजीनियरिंग है, जो उनका प्रोडक्शन करेगी।

मिन्फी के फाउंडर एवं डायरेक्टर, विजय जैन ने कहा, मिन्फी और ए.डब्ल्यू.एस का संबंध एक दशक पुराना है। हमने एंटरप्राइज ए.आई एडॉप्शन की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए ए.डब्ल्यू.एस के साथ 2024 में काम करना शुरू किया, और हम दोनों ने अपने लक्ष्य तय समय से पहले ही प्राप्त कर लिए। यहाँ तक पहुँचने के लिए हमने लोगों और टेक्नोलॉजी, दोनों में निवेश किया। संदीप दत्ता, प्रेसिडेंट, ए.डब्ल्यू.एस इंडिया एवं साउथ एशिया ने कहा, मिन्फी ने भारत और अमेरिका में मजबूत ए.डब्ल्यू.एस क्षमताओं का विकास कर लिया है। अब इस समझौते के साथ ये क्षमताएं पूरी दुनिया में पहुँचेंगी। नीति वाही, चीफ डिजिटल एवं इन्फॉर्मेशन ऑफिसर, इंडस टॉवर्स लिमिटेड ने कहा, इंडस टॉवर्स में हमारे पार्टनर हमारी टीम का हिस्सा होते हैं। मिन्फी ने अपनी इस भूमिका को बखूबी निभाया है। उनकी टीम ने ना केवल लगातार मजबूत ए.डब्ल्यू.एस और क्लाउड एक्स्पर्टीज प्रदान की है, बल्कि वो हमारे बिजनेस को समझते भी हैं और हमें सफलता प्राप्त करने में मदद भी करते हैं।

भागवत कथा सुनने से मन के विकार और अहंकार नष्ट होते हैं : गोपाल कृष्णशरण महाराज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भगवान की लीलाओं और कथाओं के श्रवण से हृदय में भक्ति बढ़ती है और आत्मा-परमात्मा का ज्ञान मिलता है। तनाव, चिंता और शंकाएं कम होती हैं तथा मन को स्थिरता मिलती है। कथा के प्रभाव से मन के विकार, अहंकार और मोह-माया कम होते हैं। बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित तिलवारी गांव में आचार्य सुभाष चंद्र दुबे के घर पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन व्यास पीठ से बोलते हुए श्रीधाम वृंदावन के प्रख्यात कथावाचक गोपाल कृष्णशरण महाराज ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि भागवत कथा सुनने से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं। 24 नवंबर से आयोजित कथा का समापन 30 नवंबर को होगा। 1 दिसंबर को श्री गया जगन्नाथ जी का



महाप्रसाद एवं भंडारा का आयोजन किया गया है। कथा का समय दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक रखा गया है। प्रतिदिन भारी संख्या में क्षेत्रवासी कथा सुनने का लाभ उठा रहे हैं। मुख्य यजमान के रूप में अपनी-अपनी धर्मपत्नी के साथ गुलाबचंद दुबे, संजय दुबे तथा अरविंद दुबे कथा का श्रवण कर रहे हैं। आचार्य सुभाष चंद्र दुबे और उनका पूरा परिवार आगंतुकों के स्वागत सम्मान में लगा हुआ है। अबतक कथा में शामिल होने वाले प्रमुख लोगों में आचार्य परमानंद तिवारी, राष्ट्रपति पुरस्कृत कृष्णदेव दुबे, पूर्व प्रधानाचार्य अनिल दुबे, आदिनाथ तिवारी, पूर्व प्रधानाचार्य रामानंद पांडे, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार ओमप्रकाश तिवारी, वीरेंद्र मिश्रा, दीपक मिश्रा, हरिशंकर सिंह, अरुण तिवारी रवि प्रकाश दुबे, परमात्मा सिंह, राम मूरत यादव, सूरज पांडे, विनय प्रचेता आदि का समावेश रहा।

इंदौर के फूटी कोठी सब्जी मंडी विवाद में जीतू पटवारी की एंट्री, आज शाम 4 बजे पहुंचेंगे मंडी,

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के फूटी कोठी सब्जी मंडी विवाद में अब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी मैदान में उतरेंगे। वे आज शुक्रवार शाम 4 बजे फूटी कोठी चौराहे पहुंचेंगे। यहां सब्जी विक्रेताओं के साथ खड़े होकर फूटी कोठी फ्लाईओवर के नीचे दुकानें लगवाने का ऐलान किया है। पटवारी के इस कदम से सब्जी व्यापारियों के समर्थन में चल रहे कांग्रेस के आंदोलन को नई दिशा मिलने की संभावना है।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने बताया कि नगर निगम ने फूटी कोठी चौराहे के पास लगने वाली सब्जी मंडी के विक्रेताओं को हटाकर चंदन नगर के पास दुकानें लगाने के लिए कहा है। इससे व्यापारियों को काफी दूर जाना पड़ेगा। चौकसे का आरोप है कि कार्रवाई से पहले महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सब्जी मंडी को फूटी कोठी ब्रिज के नीचेशिफ्ट करने की घोषणा की थी, लेकिन अब निगम अपनी ही



घोषणा से पीछे हट रहा है।चौकसे ने आरोप लगाया कि सब्जी विक्रेताओं के समर्थन में आवाज उठाने वाले कांग्रेस नेताओं पर भी कार्रवाई की जा रही है। गुरुवार को इस मामले में कांग्रेस नेताओं के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया। उन्होंने दावा किया कि नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट को जेल भेज दिया गया है। कांग्रेस का कहना है कि व्यापारियों के हित में आवाज उठाने वालों पर कार्रवाई से आंदोलन और तेज होगा।बुधवार को नगर निगम की रिमूवल टीम और पुलिस ने फ्लाईओवर के नीचे लगी सब्जी की दुकानों को हटाने की कार्रवाई की थी। इस दौरान विरोध करने पर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट, समाजसेवी प्रहलाद पांडे सहित अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया था।पुलिस ने मामले में 7 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया। कार्रवाई के दौरान हुए घटनाक्रम के कुछ वीडियो पटवारी ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए थे। अब शुक्रवार को पटवारी खुद मंडी पहुंचकर सब्जी विक्रेताओं के साथ दुकानें लगवाने के लिए खड़े होंगे। कांग्रेस इसे प्रभावित व्यापारियों के समर्थन में अपनी सक्रिय भागीदारी के तौर पर पेश कर रही है।

टंगस्टन फिटनेस क्लब ने बेलापुर सेंटर खोला, छह महीने में इसकी 7वीं ब्रांच और तीसरी फ्रेंचाइजी

नवी मुंबई। टंगस्टन फिटनेस क्लब (टीएफसी) ने अपना बेलापुर सेंटर खोला है, जिससे इसका नेटवर्क सात ब्रांच तक पहुंच गया है। फ्रेंचाइजी देना शुरू करने के छह महीने में यह ब्रांड का तीसरा फ्रेंचाइजी सेंटर है। एक्टर और फिटनेस एडवोकेट सुनील शेट्टी चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए और रिबन काटकर सेंटर का उद्घाटन किया। यह लॉन्च ऐसे समय में हुआ है जब भारत में ऑर्गनाइज्ड फिटनेस बढ़ रहा है। देश की फिटनेस इंडस्ट्री के 2024 में $1.9 बिलियन से बढ़कर 2030 तक $4.5 बिलियन होने का अनुमान है, जो 15% सालाना ग्रोथ रेट है। बेलापुर सेंटर



3200 स्क्वायर फीट (sq ft) में फैला है और इसमें फर्म एफआईआर एम)- (FIRM)- इंपोर्टेड स्पैनिश इक्विपमेंट ब्रांड की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और दूसरी मशीनें लगी हैं। मेंबर्स जुम्बा, योगा, एमएमए (MMA), क्रॉसफिट जैसी ग्रुप क्लास में से चुन सकते हैं और जो लोग ट्रेनर के शेड्यूल पसंद करते हैं, उनके लिए पर्सनल ट्रेनिंग भी उपलब्ध है।

सेंटर में स्टीम और आइस बाथ जैसी रिकवरी की सुविधा भी है तथा इसमें पर्सनल लॉकर और गोल बेस्ड डाइट काउंसलिंग जैसी पर्सनल जगह भी है। यह सप्ताह में 24 घंटे खुला रहेगा। टंगस्टन फिटनेस क्लब के फाउंडर, विशाल नरेंद्र मंगल ने कहा, बेलापुर हमारा सातवां सेंटर है और छह महीने में हमारी तीसरी फ्रेंचाइजी है, जबसे हमने फ्रेंचाइजी खोली है। हमारे लिए यह दो बातें दिखाता हैः लोग घर के पास एक अच्छा जिम चाहते हैं और हमारे पार्टनर हमारे सेंटर चलाने के तरीके पर भरोसा करते हैं। हमने हर टीएफसी में एक जैसे स्टैंडर्ड रखे हैं, इक्विपमेंट और ट्रेनर से लेकर मेंबर की देखभाल तक, इसलिए बेलापुर का अनुभव नेरुल या वाशी जैसा ही है। टीएफसी (TFC) ने जल्द ही नवी मुंबई, ठाणे और पुणे में और सेंटर खोलने की योजना बनाई है।

16 दिसंबर से सिंघाना में लगेगा 10 दिवसीय निःशुल्क अर्श-भगंदर क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर

झुंझुनू। राष्ट्रीय आयुष मिशन एवं आयुर्वेद विभाग, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में सिंघाना स्थित कैम्ब्रिज नर्सिंग कॉलेज में 10 दिवसीय अंतरंग निःशुल्क अर्श (मस्सा-बवासीर), भगंदर (नासूर) एवं क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर 16 दिसंबर से 25 दिसंबर 2026 तक चलेगा। साथ ही शिविर में प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक ओपीडी की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी जिसमें विभिन्न रोगों की सुलभ चिकित्सा भी मुहैया होगी। जानकारी देते हुए मीडिया प्रकोष्ठ के डॉ. राजेंद्र कुमावत ने बताया कि कैंप 16 दिसंबर से शुरू होगा। आयोजित शिविर में अर्श, भगंदर,फिशर एवं अन्य गुदा रोगों से पीड़ित मरीजों को आयुर्वेद पद्धति के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच, परामर्श एवं आवश्यकतानुसार शल्य चिकित्सा की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।उन्होंने बताया कि शिविर में क्षारसूत्र विधि द्वारा बिना चीरा-टांके के अर्श एवं भगंदर का उपचार किया जाएगा। इसके साथ ही आयुर्वेदिक पद्धति से सुरक्षित, प्रभावी एवं दर्दरहित उपचार तथा पंजीकृत मरीजों के लिए निःशुल्क दवा,परामर्श एवं पथ्य की सुविधा भी रोगियों के लिए उपलब्ध रहेगी।

एयरप्रो टेक्नोलॉजी इंडिया लिमिटेड का IPO खुलेगा 27 नवंबर को

मुंबई। एयरप्रो टेक्नोलॉजी इंडिया लिमिटेड, जो वायर्ड और वायरलेस नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स और सॉल्यूशंस का टेक्नोलॉजी पर आधारित प्रोवाइडर है, शुक्रवार, 27 नवंबर, 2026 को अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग खोलने का प्रस्ताव रखता है, जिसका मकसद रु. 35.64 करोड़ जुटाना है, और शेयर ठरए इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्ट किए जाएंगे। इश्यू साइज 36,00,000 इक्विटी शेयर तक है, जिनकी फेस वैल्यू ?10 है और इश्यू प्राइस रु. 99 प्रति शेयर है। इसमें 29,20,000 इक्विटी शेयर तक का फ्रेश इश्यू और बेचने वाले शेयरहोल्डर्स द्वारा 6,80,000 इक्विटी शेयर तक का ऑफर फॉर सेल शामिल है।



इक्विटी शेयर एलोकेशनः नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स - 17,08,800 इक्विटी शेयर से कम नहीं, इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स - 17,11,200 इक्विटी शेयर से कम नहीं, मार्केट मेकर - 1,80,000 इक्विटी शेयर।

IPO से होने वाली नेट कमाई का इस्तेमाल मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी के लिए मशीनरी खरीदने के कैपिटल खर्च की फंडिंग, जयपुर में फैक्ट्री के लिए जमीन खरीदने के बैलेंस पेमेंट के लिए फंडिंग, जयपुर में फैक्ट्री के लिए बिल्डिंग बनाने के कैपिटल खर्च की फंडिंग, कंपनी की वर्किंग कैपिटल की जरूरत की फंडिंग और जनरल कॉर्पोरेट मकसदों के लिए किया जाएगा। यह इश्यू शुक्रवार, 27 नवंबर, 2026 को खुलेगा और मंगलवार, 1 दिसंबर, 2026 को बंद होगा।

एयरप्रो टेक्नोलॉजी इंडिया लिमिटेड के प्रमोटर और मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक जैन ने कहा, आज की तेजी से कनेक्टेड दुनिया में, भरोसेमंद नेटवर्किंग सॉल्यूशन अब कोई चॉइस नहीं हैं—वे एक जरूरत हैं। एयरप्रो टेक्नोलॉजी इंडिया लिमिटेड में, हम इस बदलती डिमांड को पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं, और हमारा आने वाला IPO हमारी कैपेबिलिटी को मजबूत करने और हमारे ग्रोथ के दायरे को बढ़ाने की दिशा में एक जरूरी कदम है।

पिछले कुछ सालों में, हमने अपने कस्टमर्स की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए भरोसेमंद, स्केलेबल और कॉस्ट-इफेक्टिव नेटवर्किंग और वायरलेस कनेक्टिविटी सॉल्यूशन देने पर जोर देते हुए अपना बिजनेस बनाया है। होराइजन मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट मिस्टर मयूर बांका और मिस्टर राहुल बजाज ने कहा, एयरप्रो टेक्नोलॉजी इंडिया लिमिटेड ने नेटवर्किंग और वायरलेस कनेक्टिविटी सॉल्यूशंस स्पेस में अपनी पहचान बनाई है, जो एंटरप्राइजेज और इंस्टीट्यूशन्स की बदलती कनेक्टिविटी जरूरतों को पूरा करती है। नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स में कंपनी की एक्सपर्टीज, मैन्युफैक्चरिंग कैपेबिलिटीज को मजबूत करने और अपने ऑपरेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने पर इसके फोकस के साथ मिलकर, इसके डेवलपमेंट के अगले फेज के लिए एक बेस देती है।

प्रस्तावित IPO कंपनी की ग्रोथ यात्रा में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है। फ्रेश इश्यू से होने वाली इनकम का मकसद मशीनरी, जमीन खरीदने और अपनी फैक्ट्री फैसिलिटी के कंस्ट्रक्शन के लिए कैपिटल एक्सपेंडिचर के साथ-साथ वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को सपोर्ट करना है। हमारा मानना है कि प्रस्तावित कैपिटल इन्फ्यूजन कंपनी को अपनी ऑपरेशनल कैपेबिलिटीज को बढ़ाने और अपने लॉन्ग-टर्म बिजनेस ऑब्जेक्टिव्स को पूरा करने में सपोर्ट करेगा। एयरप्रो टेक्नोलॉजी इंडिया लिमिटेड, जो 2014 में बनी थी, एक टेक्नोलॉजी पर चलने वाली कंपनी है जो वायर्ड और वायरलेस नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स और सॉल्यूशंस के डिजाइन, असेंबली, डिस्ट्रीब्यूशन और सर्विसिंग का काम करती है। कंपनी एक हाइब्रिड बिजनेस मॉडल के जरिए एक ब्रांड ओनर के तौर पर काम करती है, जिसमें प्रोडक्ट डिजाइन, फर्मवेयर कस्टमाइजेशन, क्लाउड-इनेबल्ड नेटवर्क मैनेजमेंट, इन-हाउस असेंबली और व्हाइट-लेबल नेटवर्किंग सॉल्यूशंस शामिल हैं। इसका हेडक्वार्टर जयपुर, राजस्थान में है। कंपनी गोरेगांव ईस्ट, मुंबई में अपनी फैसिलिटी में अपने एक्सेस पॉइंट डिवाइस की असेंबली और टेस्टिंग करती है, और इसे दीपक जैन, पंकज भंसाली, रूपाली भंसाली और राजेश हसमुख वखारिया प्रमोट करते हैं।

कल्ट नियो फिटनेस सेंटर्स का न्यूट्रिशन पार्टनर बना 'AS-IT-IS न्यूट्रिशन

मुंबई। 'AS-IT-IS न्यूट्रिशन' एक विज्ञान-आधारित स्पोर्ट्स न्यूट्रीशन और वेलनेस ब्रांड है, जो ग्राहकों तक पारदर्शी और बेहतरीन गुणवत्ता वाला पोषण पहुँचाने पर केंद्रित है। हाल ही में, कल्ट नियो ने पूरे भारत में स्थित अपने फिटनेस सेंटर्स के लिए 'AS-IT-IS न्यूट्रीशन' को अपना न्यूट्रीशन पार्टनर बनाया है। इससे कल्ट नियो के फिटनेस समूह की प्रशिक्षण प्रक्रिया में एक ऐसा पोषण ब्रांड शामिल हो गया है, जो प्रदर्शन को और ज्यादा बेहतर बनाता है। नवंबर 2026 से फरवरी 2028 तक चलने वाली यह भागीदारी, भारत के फिटनेस इकोसिस्टम में 'AS-IT-IS न्यूट्रीशन' की बढ़ती मौजूदगी की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। खिलाड़ियों और परफॉरमेंस पर ध्यान केंद्रित करने वाले ग्राहकों के लिए तैयार 'ATOM by AS-IT-IS न्यूट्रिशन रेंज के उत्पाद वैज्ञानिक आधार पर बनाए गए हैं, जिनमें सही मात्रा में सामग्री, पारदर्शी लेबल और प्रदर्शन बढ़ाने वाले तत्व शामिल हैं। यह रेंज प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं–स्ट्रेंथ (ताकत), एंड्योरेंस (सहनशक्ति) और रिकवरी–को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जिसमें व्हे प्रोटीन के साथ-साथ सोया और मटर प्रोटीन जैसे पौधों पर आधारित विकल्प भी उपलब्ध हैं। सटीकता, निरंतरता और मापीय परिणामों पर जोर देते हुए यह ब्रांड पोषण को प्रदर्शन का अभिन्न हिस्सा मानता है। गुणवत्ता और पारदर्शिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत 'AS-IT-IS न्यूट्रिशन ने अपने उत्पादों की प्रयोगशाला रिपोर्टें ऑनलाइन प्रकाशित करने की पहल की है। साथ ही, उत्पादों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने के लिए QR-कोड प्रमाणीकरण तथा लैबडोर, ट्रस्टीफाइड और अनबॉक्स हेल्थ जैसी स्वतंत्र संस्थाओं से सत्यापन की व्यवस्था की गई है।

तंजानिया में भारतीय मिशन की हेरिटेज वॉक, जुटे 35 देशों के राजनयिक



मुंबई। तंजानिया के दार एस सलाम स्थित भारतीय उच्चायोग ने राजदूतों, उच्चायुक्तों, राजनयिक कोर के सदस्यों और उनके परिवारों के लिए एक भव्य 'इंडियन हेरिटेज वॉक' (भारतीय विरासत पदयात्रा) का आयोजन किया। इस अनूठे सांस्कृतिक कार्यक्रम में 35 राजनयिक मिशनों का प्रतिनिधित्व रहा, जिसके माध्यम से तंजानिया में भारत की स्थायी और ऐतिहासिक विरासत को जीवंत रूप में दर्शाया गया। तंजानिया स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कार्यक्रम की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, कार्यक्रम में तंजानिया में भारत की स्थायी विरासत को दर्शार्या गया, जिसमें तंजानिया के राष्ट्र-निर्माण और स्वतंत्रता में निभाई गई भूमिका, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, और भारत तथा तंजानिया के लोगों के बीच गहरे आपसी संबंधों को दर्शार्या गया। इसमें 20 राजदूतों सहित 100 से अधिक राजनयिकों और उनके परिवार के सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कई प्रमुख स्थलों का दौरा किया, जिनमें पटेल समाज हॉल, शिशुकुंज टी.बी. सेठ लिबरल, श्री सनातन धर्म सभा और दार एस सलाम स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर शामिल थे। उच्चायोग ने कहा, इस पहल ने विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों से जुड़े भारतीय समुदाय के संगठनों के बीच एकता और सहयोग की अद्भुत भावना को प्रदर्शित किया। ये सभी संगठन उच्चायोग के निमंत्रण पर खुशी-खुशी एक साथ आए, ताकि इस यादगार अनुभव को संभव बनाया जा सके।

कार्यक्रम की शुरूआत उच्चायोग में नाश्ते और एक ब्रीफिंग के साथ हुई। इसके बाद, दार एस सलाम स्थित 'इंडियन स्कूल' के छात्रों द्वारा तैयार किया गया एक वीडियो दिखाया गया, जिसमें तंजानिया में मौजूद भारतीय विरासत स्थलों को दर्शाया गया था। इसके बाद, प्रतिभागी समूह लगभग छह किलोमीटर की पदयात्रा पर निकले।

सेवा दूत अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ काम करें: रविंद्र चव्हाण



नवी मुंबई। भारतीय जनता पार्टी की ओर से देशभर में 1 से 25 दिसंबर 2026 तक सेवा दूत अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान की तैयारियों के सिलसिले में पनवेल में आयोजित ठाणे-कोंकण विभागीय कार्यशाला में भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने शिरकत की और उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा, कार्यप्रणाली, सूक्ष्म नियोजन और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर रविंद्र चव्हाण ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक पहुंचना, उनकी समस्याओं और जरूरतों को समझना तथा उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना है। साथ ही, केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से अपील की कि अभियान को सफल बनाने के लिए वे आपसी तालमेल और समन्वय के साथ काम करें तथा इसकी प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करें। इस विभागीय कार्यशाला में प्रदेश महासचिव एवं विधायक माधवीताई नाईक, सांसद डॉ. हेमंत सवरा, सांसद धैर्यशील पाटील, विधायक प्रशांत ठाकुर, विधायक प्रमोद जठार, विधायक विक्रांत पाटील और भाजपा उत्तर रायगड के जिलाध्यक्ष अविनाश कोळी सहित ठाणे एवं कोंकण विभाग के प्रमुख पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ग्लासडोर और इनडीड के एकीकरण से नौकरी तलाशने वालों और एम्प्लॉयर्स के लिए अनुभव होगा अधिक आसान

मुंबई। इस साल ग्लासडोर आधिकारिक रूप से इनडीड का हिस्सा बन गया। ये दोनों प्लेटफॉर्म लंबे समय से लोगों को नौकरी खोजने और हायरिंग प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में मदद करते आए हैं। ग्लासडोर कंपनियों और वर्कप्लेस के अनुभवों से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराता है, वहीं इनडीड लोगों को नौकरी के अवसरों से जोड़ने और एम्प्लॉयर्स को सही टैलेंट तलाशने में मदद करता है। अब इन दोनों प्लेटफॉर्म की क्षमताओं को एक साथ लाने की दिशा में काम किया जा रहा है, ताकि एम्प्लॉयर्स और नौकरी तलाशने वालों, दोनों के लिए अनुभव अधिक आसान और सुविधाजनक बनाया जा सके। अब तक एम्प्लॉयर्स को ग्लासडोर और इनडीड, दोनों प्लेटफॉर्म पर अपनी उपस्थिति बनाए रखने के लिए अलग-अलग अकाउंट, टूल्स और रणनीतियों को मैनेज करना पड़ता था। हालांकि, अब इसमें बदलाव हो रहा है। हाल ही में एम्प्लॉयर्स के लिए ग्लासडोर और इनडीड पर एक ही लॉगइन की सुविधा शुरू की गई है, जिससे वे दोनों प्लेटफॉर्म का अधिक आसानी से इस्तेमाल कर सकेंगे।जब एम्प्लॉयर्स के अकाउंट के लिए एक लॉगइन की सुविधा उपलब्ध होगी, तो उन्हें इसकी सूचना दी जाएगी। इस सुविधा के शुरू होने से पहले एम्प्लॉयर्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके ग्लासडोर एम्प्लॉयर सेंटर और इनडीड एम्प्लॉयर टूल्स अकाउंट से जुड़े ईमेल एड्रेस एक समान हों। इस संबंध में अधिक जानकारी ग्लासडोर हेल्प सेंटर पर उपलब्ध है। इस पहल का व्यापक उद्देश्य एक अधिक कनेक्टेड और सुरक्षित अनुभव प्रदान करना है, जिससे एम्प्लॉयर्स को अपना ब्रांड स्थापित करने, प्रतिभाशाली उम्मीदवारों की तलाश करने और उनकी नियुक्ति करने में मदद मिल सके। इसके तहत ग्लासडोर और इनडीड, दोनों प्लेटफॉर्म को एक्सेस करने के लिए एक ही लॉगइन की सुविधा, एम्प्लॉयर ब्रांडिंग सुइट के माध्यम से एम्प्लॉयर ब्रांड को मैनेज करने के लिए एक ही प्लेटफॉर्म, दोनों प्लेटफॉर्म पर जॉब लिस्टिंग की उपलब्धता और इनडीड स्मार्ट सोर्सिंग के जरिए इनडीड प्रोफाइल्स के साथ-साथ ग्लासडोर कैंडिडेट प्रोफाइल्स से भी उम्मीदवारों को तलाशने की सुविधा शामिल है। नौकरी तलाशने वालों के लिए इनडीड और ग्लासडोर की वेबसाइट्स स्वतंत्र रूप से काम करती रहेंगी। दोनों प्लेटफॉर्म के लिए एक ही लॉगइन की सुविधा के साथ यूजर्स इनडीड और ग्लासडोर के बीच आसानी से आ-जा सकेंगे। एक प्लेटफॉर्म पर साझा की गई जानकारी दूसरे प्लेटफॉर्म पर उनके अनुभव को अधिक व्यक्तिगत और बेहतर बनाने में मदद करेगी।

भारत की पहली फ्लेक्स हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल ऑल-न्यू इनोवा हाईक्रॉस लॉन्च



मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज भारत की पहली फ्लेक्स हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल ऑल-न्यू इनोवा हाईक्रॉस के लॉन्च की घोषणा की है। यह वाहन ग्राहकों को सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक टेक्नॉलजी और E20 से E85 तक सभी इथेनॉल फ्यूल ब्लेंड्स के उपयोग की सुविधा के साथ डबल पीस ऑफ माइंड प्रदान करती है। टोयोटा के मल्टी-पाथवे दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए यह मॉडल स्थानीय स्तर पर निर्मित फ्लेक्स-फ्यूल इंजन और ई-ड्राइव से लैस है, जो देश के ऊर्जा सुरक्षा और डीकाबोर्नाइजेशन लक्ष्यों में योगदान देता है। भारत और जापान स्थित टोयोटा की इंजीनियरिंग टीमों ने शहरों, राजमार्गों, पहाड़ी क्षेत्रों और कठिन सड़कों व विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में इसका व्यापक राष्ट्रव्यापी परीक्षण किया है। इस लॉन्च पर टीकेएम के चेयरमैन, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ श्री मसाकाजू योशिमुरा ने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन और कार्बन न्यूट्रैलिटी की दिशा में कोई एकमात्र समाधान नहीं है, विशेष रूप से भारत जैसे विविध बाजार में, और यह वाहन इलेक्ट्रिफिकेशन तथा E20 से E85 इथेनॉल फ्लेक्सिबिलिटी के जरिए ग्राहकों के विकल्पों का विस्तार करती है। टीकेएम के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर तदाशी असाजुमा ने कहा कि नई डिजाइन, प्रीमियम आराम और FFV-SHEV टेक्नॉलजी ग्राहकों को अधिक टिकाऊ और आकर्षक मोबिलिटी अनुभव देती है। वहीं, सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट सबरी मनोहर ने बताया कि नए हाइब्रिड और हाइब्रिड ग्रेड्स के साथ यह लाइन-अप आराम, सुरक्षा और आधुनिक फीचर्स का संतुलन पेश करती है। पावरट्रेन और दक्षता की बात करें तो इसमें टोयोटा हाइब्रिड सिस्टम और ई-ड्राइव ट्रांसमिशन के साथ TNGA 2.0-लीटर इंजन दिया गया है, जो 147 kW (197.13 HP) की संयुक्त अधिकतम पावर प्रदान करता है। इसमें EV, Eco और Power ड्राइव मोड्स उपलब्ध हैं तथा यह E20 फ्यूल ब्लेंड के साथ 22.58 किमी/लीटर की ईंधन दक्षता देती है और आगामी WLTP नियमों के अनुरूप तैयार की गई है। एक्सटीरियर में नए फ्रंट बंपर, ग्रिल, प्रोजेक्टर LED हेडलैम्प्स, अपर ग्रिल में समाहित डबल-स्टैक्ड LED DRLs, त्रिकोणीय ग्रिल मोटिफ, थ्री-डायमेंशनल लोअर ग्रिल, डबल-स्टैक्ड रियर कॉम्बिनेशन लैम्प्स, अलॉय व्हील्स, पैनोरमिक सनरूफ, रूफ-एंड स्पॉइलर और रियर क्रोम गार्निश इसे दमदार SUV-प्रेरित रूप देते हैं। वाहन सुपर व्हाइट, प्लेटिनम व्हाइट पर्ल माइका, सिल्वर मेटैलिक, ब्लैकिश अगेहा ग्लास फ्लेक और एटिट्यूड ब्लैक माइका–इन पांच रंगों में उपलब्ध है।

भुवनेश्वरी परिवार के 20वें वर्ष के महायज्ञ हेतु भूमि पूजन संपन्न



मुंबई। भुवनेश्वरी परिवार द्वारा आयोजित 20वें वर्ष के महायज्ञ के यज्ञ स्थल पर भूमि पूजन समारोह गुरुवार, 26 नवंबर 2026 को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्था के अनेक पदाधिकारी, सदस्य, गणमान्य अतिथिगण एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। भूमि पूजन कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के संस्थापक एवं चेयरमैन देवेंद्र शुक्ल (गुरुजी) द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। इस पावन अवसर पर संस्था के डायरेक्टर डॉ. इन्दुप्रकाश आर. तिवारी, महिला प्रभारी श्रीमती मंजुला इन्दुप्रकाश तिवारी, प्रवक्ता डॉ. सुरेश पाठक, महिला अध्यक्षा श्रीमती सुमन पाठक, उपाध्यक्ष मुन्ना मिश्रा, निर्देशक झुन्नीलाल शुक्ला, महामंत्री बांकेलाल शुक्ला, विशिष्ट संरक्षक डॉ. किशोर सिंह, पूर्व नगरसेवक योगेश भोईर ,पूर्व नगरसेविका श्रीमती माधुरी योगेश भोईर, गजेन्द्र तिवारी (भवन निमार्ता), पूर्व नगरसेवक राजपति यादव एवं नगरसेवक धर्मेंद्र काले ने भूमि पूजन कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। कार्यक्रम में संस्था के विशिष्ट संरक्षक उमेश दुबे (भवन निमार्ता), संरक्षक अरविन्द उपाध्याय, खुशहाल पारेख (चेयरमैन, खुशहाल ग्रुप), गजेंद्र तिवारी (भवन निमार्ता), संस्था के वाइस चेयरमैन संतोष मिश्रा एक्जीक्यूटिव चेयरमैन उमाशंकर तिवारी, कार्याध्यक्ष प्रो वी पी सिंह तथा सचिव संतोष दुबे सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के समापन पर संस्था के डायरेक्टर डॉ. इन्दुप्रकाश आर. तिवारी ने आगामी धार्मिक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 5 दिसंबर 2026, शनिवार को सुबह 10 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा 5 दिसंबर से 13 दिसंबर 2026 तक 20वें वर्ष का महायज्ञ आयोजित होगा। इस दौरान प्रतिदिन शाम 5:30 बजे से हरि इच्छा तक संगीतमय शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। डॉ. तिवारी ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं समाज के लोगों से महायज्ञ में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने, प्रतिदिन यज्ञ एवं कथा में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने तथा इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने की भावपूर्ण अपील की।

डोंबिवली और बदलापुर के मरीजों की CAIRS सर्जरी सफल

डॉ अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल ने कॉर्निया उपचार के क्षेत्र में हासिल की महत्वपूर्ण उपलब्धि



डोंबिवली। केराटोकॉनस के कारण कमजोर दृष्टि और आंखों के नंबर में बार-बार बदलाव की समस्या से जूझ रहे दो विद्यार्थियों को डॉ अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल में CAIRS (Corneal Allogenic Intrastromal Ring Segments) सर्जरी के बाद सुधार हुआ है। ये दोनों मरीज डोंबिवली और बदलापुर के रहने वाले हैं। इन सर्जरी के माध्यम से मुंबई महानगर क्षेत्र में केराटोकॉनस से पीड़ित युवाओं के लिए कॉर्निया के उपचार का यह उन्नत विकल्प उपलब्ध हुआ है। सीनियर कंसल्टेंट डॉ. प्रतीक गोगरी और डॉ. अखिलेश यादव ने बदलापुर और डोंबिवली के मरीजों की सर्जरी की। आज डोंबिवली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों मरीजों ने मीडिया प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस अवसर पर डॉ. स्मिथ बावरिया (रीजनल हेड क्लिनिकल सर्विसेज), डॉ. प्रतीक गोगरी (कॉर्निया, कैटरेक्ट और रिफ्रैक्टिव सर्जन), डॉ. मंदार मायकेकर (हेड क्लिनिकल सर्विसेज, बदलापुर), डॉ. अखिलेश यादव (हेड क्लिनिकल सर्विसेज, डोंबिवली) और डॉ. नम्रता गुप्ता (कॉर्निया और फैको रिफ्रैक्टिव सर्जन) उपस्थित थे। केराटोकॉनस आंखों की एक ऐसी बीमारी है, जिसमें कॉर्निया धीरे-धीरे पतला होने लगता है और उसका आकार अनियमित होकर शंकु (कोन) जैसा हो जाता है। इसके कारण दृष्टि धुंधली और विकृत दिखाई देने लगती है। युवाओं में यह स्थिति पढ़ने, पढ़ाई करने और रोजमर्रा के कामों को भी मुश्किल बना सकती है। विशेष रूप से तब, जब चश्मे से भी दृष्टि में पर्याप्त सुधार नहीं हो पाता। CAIRS कॉर्निया के आकार को बेहतर बनाने का एक वैकल्पिक उपचार है। इस प्रक्रिया में डोनर कॉर्निया से प्राप्त विशेष रूप से प्रोसेस किए गए टिश्यू के छोटे हिस्सों को कॉर्निया की परतों के भीतर प्रत्यारोपित किया जाता है, जिससे कॉर्निया का आकार अधिक नियमित बनाने में मदद मिलती है। पारंपरिक इंट्रास्ट्रोमल रिंग प्रक्रियाओं में सिंथेटिक इम्प्लांट का उपयोग किया जाता है, जबकि CAIRS में डोनर कॉर्निया से प्राप्त टिश्यू का इस्तेमाल होता है। यह प्रक्रिया अक्सर कॉर्नियल क्रॉस-लिंकिंग के साथ की जाती है। कॉर्नियल क्रॉस-लिंकिंग एक ऐसी प्रक्रिया है, जो कॉर्निया को मजबूती प्रदान करती है और केराटोकॉनस की बढ़ती स्थिति को रोकने में मदद करती है।

संविधान दिवस पर बलरामपुर में विशेष पहल, गांव-गांव तक पहुंचेंगे बाबा साहब के विचार एवं आदर्श



बलरामपुर। संविधान दिवस के अवसर पर जनपद बलरामपुर में भारतीय संविधान के शिल्पकार भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति सम्मान व्यक्त करने एवं उनके विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष पहल की गई। संविधान दिवस को और अधिक यादगार एवं सार्थक बनाते हुए शासन के दिशा-निर्देशों के क्रम में जनपद के सभी विकासखंडों की तीन-तीन चिन्हित ग्राम पंचायतों में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना हेतु शिलान्यास एवं भूमि पूजन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। माननीय जनप्रतिनिधिगण की गरिमामयी उपस्थिति में ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से संविधान में निहित समानता, स्वतंत्रता, न्याय एवं बंधुत्व के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया। संविधान दिवस के अवसर पर विकासखंड तुलसीपुर की ग्राम पंचायत देवनगर में माननीय विधायक तुलसीपुर कैलाश नाथ शुक्ला की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। विकासखंड गैण्डास बुजुर्ग की ग्राम पंचायत नंदौरी एवं ग्राम पंचायत गैण्डास बुजुर्ग के टोला धोभा में भी प्रतिमा स्थापना से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए। विकासखंड हरैया सतघरवा की ग्राम पंचायत मटियरिया के नइके डीह मजरे में बाबा साहब की प्रतिमा स्थापित की गई तथा मटियरिया तिराहे पर प्रतिमा स्थापना हेतु भूमि पूजन किया गया।

इसी क्रम में विकासखंड श्रीदत्तगंज की ग्राम पंचायत खरदौरी, गुमड़ी एवं कोलवी बिनोनी में कार्यक्रम आयोजित किए गए। विकासखंड उतरौला के मदपुर चौराहे पर माननीय विधायक उतरौला श्री राम प्रताप वर्मा द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना हेतु भूमि पूजन किया गया। वहीं, विकासखंड पचपेड़वा के ग्राम शंकरपुर में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत रमवापुर में तुलसीपुर-बलरामपुर मार्ग पर भवनियापुर तिराहे के पास, ग्राम पंचायत सिंगाही में पंचायत भवन के सामने तथा ग्राम पंचायत रामगढ़ मैटहवा में पंचायत भवन के पास बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना हेतु शिलान्यास किया गया। संविधान दिवस जैसे ऐतिहासिक अवसर पर ग्राम पंचायतों में बाबा साहब की प्रतिमा स्थापना की दिशा में की गई यह पहल विशेष महत्व रखती है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित होने वाली बाबा साहब की प्रतिमाएं उनके संघर्ष, त्याग एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान का स्मरण कराने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा, समानता एवं सामाजिक न्याय के प्रति प्रेरित करेंगी। संविधान दिवस पर जनपद भर में आयोजित ये कार्यक्रम संविधान के प्रति सम्मान, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आस्था तथा सामाजिक समरसता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक सार्थक कदम हैं।

नालासोपारा पूर्व में महालक्ष्मी महायज्ञ व भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन 20 दिसंबर से



-प्रेम चंद मिश्रा

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर नालासोपारा पूर्व मानव कल्याण शक्ति ज्योति फाऊंडेशन रजि. द्वारा नौ दिवसीय अभिषेकात्मक ऋणमुक्तेश्वरी महालक्ष्मी महायज्ञ व श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ कथा का आयोजन बालाजी शादी ग्राऊंड सेंट्रल पार्क ईच्छापूर्ती के सामने 20 दिसंबर से 28 दिसंबर 2026 तक किया गया है। संस्था अध्यक्ष आचार्य शिवदत्त पांडेय के अनुसार प्रातः 7 बजे बेदी पूजन के साथ महायज्ञ का अभिषेक 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा भागवत कथा सायंकाल 4 बजे 8 बजे तक चलेगी। बता दे कि प्रथम बार अयोध्या धाम से कथाव्यास प. पू. बाल भरत जी महराज के मुखारविंद से ज्ञान यज्ञ रूपी भागवती गंगा प्रवाहित होगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष पत्रकार प्रेम कुमार चौबे ने सभी सनातनी भाई / बहनो से सार्वजनिक अपील किया है कि इस धार्मिक अनुष्ठान मे सपरिवार सहभागी बने, महायज्ञ मे काशी सहित मुँबई के विद्वत आचार्यगणों के सानिध्य मे उक्त कार्यक्रम 28 दिसंबर को हवन और भंडारे के साथ संपन्न होगा। आयोजन समिति मे संस्थापक आचार्य धर्मराज पांडेय संरक्षक भूपेश पांडेय मिडिया प्रभारी आनंद शुक्ल,महाराष्ट्र प्रदेश बागेश पाँडेय महामंत्री अभय शुक्ल, राजकुमार मिश्रा, विजय नाथ पांडेय के साथ ही विशेष सहयोगी के रूप मे रोहित गुप्ता, शशिकांत मिश्रा, रामसुरेश दूबे, जितेंद्र कुमार दूबे, विनीत सिंह, आशिष दूबे, पवन दूबे , पवन तिवारी, पंकज पांडेय, देवीकांत पांडेय, हर्ष पांडेय, आयुष दूबे सहित संस्था केसमस्त पदाधिकारियों द्वारा इस आयोजन को भव्य बनाने मे अभूतपूर्व योगदान प्राप्त हो रहा है! यह जानकारी वरिष्ठ पत्रकार प्रेम चौबे ने दी है।

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर विकास भवन सभागार में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बलरामपुर। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर पशुपालन विभाग द्वारा विकास भवन सभागार में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक बलरामपुर सदर पल्टूराम उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता द्वारा की गई। कार्यक्रम के दौरान दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने, पशुपालकों को प्रोत्साहित करने तथा निराश्रित गौवंशों के संरक्षण, संवर्धन एवं बेहतर देखभाल के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत उत्कृष्ट दुग्ध उत्पादकउमा शंकर यादव को सम्मानित किया गया। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले पशुपालकों को सम्मानित किए जाने से अन्य पशुपालकों को भी दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं पशुपालन के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने की प्रेरणा मिलेगी। इसी क्रम में निराश्रित गौवंशों की बेहतर देखभाल एवं गौशालाओं के उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए जनपद की 05 सर्वश्रेष्